आश्विन कृष्णा - 13 | संवत 2081 | वर्ष - 12 | अंक - 68 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | चेन्नई » सोमवार » 30-09-2024 | www.dakshinbharat.com | Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 नीतीश कुमार सरकार 'चार सेवानिवृत्त नौकरशाह' चला रहे हैं : प्रशांत किशोर

6 दवा कारोबार की अनैतिकता से बढ़ता जीवन संकट

7 सुरक्षा के बेहतरीन माहौल में ही निवेश आता : योगी आदित्यनाथ

फर्स्ट टेक

ताइवान ने चीन के मिसाइल परीक्षण का पता लगाया

ताइपे/एपी। चीन द्वारा कुछ दिनों पहले प्रशांत महासागर में सफलतापूर्वक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण करने की जानकारी देने के बाद ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि उसने चीन के भीतर कई मिसाइल के दागे जाने का पता लगाया है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मिसाइलों का प्रक्षेपण चीन की रॉकेट फोर्स और चीनी सेना द्वारा 'इनर मंगोलिया' के साथ-साथ गांसु और किंगहाई प्रांतों और पश्चिमी चीन के शिनजियांग क्षेत्र में किया गया। ताइवान ने कहा कि वह घटनाक्रम पर लगातार नजर रखेगा और उसकी वायु रक्षा प्रणाली उच्च स्तर की सतर्कता और चौकसी बनाए रखेगी। ताइवान चीन की सैन्य गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखता है तथा हाल के वर्षों में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच चीन ने द्वीप के आसपास अभ्यास बढ़ा दिया है।

सीरिया में अमेरिकी हवाई हमलों में 37 आतंकी मारे गए

बेरूत/एपी। सीरिया में दो हमलों में चरमपंथी इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह और अलकायदा संबंधी एक समूह से जुड़े 37 आतंकवादी मारे गए। अमेरिकी सेना ने रविवार को यह जानकारी दी। इसने कहा कि मृतकों में दो शीर्ष आतंकवादी थे। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा कि उसने मंगलवार को उत्तर-पश्चिमी सीरिया में हमला किया, जिसमें अलकायदा से जुड़े हुर्रास अल-दीन समूह के एक शीर्ष आतंकवादी और आठ अन्य को निशाना बनाया गया। उन्होंने 16 सितंबर को किए गए एक हमले की भी जानकारी दी जिसमें उन्होंने मध्य सीरिया में एक दूरस्थ अज्ञात स्थान पर आईएस प्रशिक्षण शिविर पर बड़े पैमाने पर हवाई हमला किया था। इस हमले में 28 आतंकवादी मारे गये थे।

रूसी क्षेत्र में घुसे यूक्रेन के 125 ड्रोन को नष्ट किया गया : मॉस्को

कीव/एपी। रूसी क्षेत्र में रविवार को घुसे यूक्रेन के 100 से अधिक ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। इसके चलते वन क्षेत्र और एक अपार्टमेंट के हिस्से में आग लग गई। मॉस्को के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। फरवरी 2022 में मॉस्को द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के बाद से रूसी आसमान में सबसे बड़ी संख्या में यूक्रेनी ड्रोन देखे गए हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने सात क्षेत्रों में रात के दौरान 125 ड्रोन को नष्ट किया। रूसी वायु रक्षा द्वारा वोल्गोग्राद क्षेत्र में सबसे अधिक 67 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट किया गया। गवर्नर अलेक्सांद्र गुसेव ने बताया कि रूस के वोरोनिश क्षेत्र में भी 17 ड्रोन देखे गए, जिन्हें नष्ट करने के दौरान गिरे मलबे के कारण एक अपार्टमेंट के हिस्से को नुकसान पहुंचा।

कुंभ मेला: रेलवे ने 992 विशेष ट्रेनें चलाने की योजना बनाई

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्रालय कुंभ मेले के लिए व्यापक व्यवस्था करने पर काम कर रहा है और जनवरी में प्रयागराज में आयोजित होने वाले इस विशाल धार्मिक समागम के लिए 992 विशेष रेलगाड़ियां चलाने की योजना बना रहा है। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, विशेष रेलगाड़ियां चलाने के अलावा मंत्रालय ने यात्रियों के लिए विभिन्न बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के निर्माण और उन्नयन के लिए 933 करोड़ रुपए निर्धारित किए हैं। इसके अलावा प्रयागराज मंडल और आसपास के क्षेत्रों में ट्रेनों की सुचारू आवाजाही के लिए 3,700 करोड़ रुपए की लागत से रेलवे पटरियों का दोहरीकरण तेजी से किया जा रहा है।

30-09-2024 सूर्यास्त 5:59 बजे	01-10-2024 सूर्योदय 5:58 बजे
BSE 85,571.85 (-264.27)	NSE 26,175.15 (-40.90)
सोना 7,848 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 98,000 रु. प्रति किलो

हूतियों के द्वारा किए गए बैलिस्टिक मिसाइल हमले के जवाब में

इजराइल ने यमन में हूतियों के ठिकानों पर किए हमले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम/एपी। इजराइली सेना ने कहा है कि इजराइल पर हाल ही में हुए हमले के जवाब में दर्जनों विमानों ने यमन में हूतियों के ठिकानों पर हमले किए हैं। सेना ने कहा कि उसने होदेदा शहर में बिजली संयंत्रों और समुद्री बंदरगाह सुविधाओं को निशाना बनाया।

हूतियों ने शनिवार को बेन गुरियन हवाई अड्डे पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया था। यह हमला तब हुआ था जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू वहां पहुंच रहे थे।

हिज्बुल्ला ने इजराइली हमलों में सातवें शीर्ष कमांडर के मारे जाने की पुष्टि की

यरूशलम/एपी। इजराइल की सेना ने रविवार को कहा कि उसने हवाई हमले में हिज्बुल्ला के एक और प्रमुख सदस्य को मार गिराया है। इससे पहले, शुक्रवार को बेरूत में समूह का प्रमुख नेता हसन नसरल्ला भी मारा गया था। सेना ने कहा कि उसने शनिवार को हवाई हमले में हिज्बुल्ला की सेंट्रल काउंसिल के उप प्रमुख नबील कौक को मार गिराया। हिज्बुल्ला ने उसकी मौत की पुष्टि की है। वह एक सप्ताह से भी कम समय में इजराइली हमलों में मारा गया हिज्बुल्ला का सातवां शीर्ष सदस्य है। इजराइली सेना ने कहा कि उसने रविवार को बेरूत पर एक और लक्षित हमला किया, जिसका विवरण बाद में दिया जाएगा। इससे पहले हिज्बुल्ला ने पुष्टि की थी कि उसके एक शीर्ष कमांडर अली कराकी की इजराइली हवाई हमले में मौत हो गई। इजराइली सेना ने पहले कहा था कि कराकी की मौत हवाई हमले में हुई। इजराइल का कहना है कि हमले में कम से कम हिज्बुल्ला के 20 अन्य आतंकवादी मारे गए, जिनमें नसरल्ला के दो करीबी सहयोगी भी शामिल हैं।

भारत में कोई बड़ा हमला हुआ तो पाकिस्तान में घुस कर मारेंगे : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/एजेन्सी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर भारत में कोई बड़ा आतंकवादी हमला होता है, तो पाकिस्तान के अंदर घुसकर मारा जायेगा। सिंह ने जम्मू-कश्मीर में बांदीपोरा जिले के सीमावर्ती इलाके गुएज के में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान लगातार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि जम्मू-कश्मीर में फिर से आतंकवाद फैल जाये। रक्षा मंत्री ने कहा, वे (पाकिस्तान) नहीं चाहते कि यहां लोकतंत्र पनपे। लेकिन लोगों का साहस देखने के बाद मुझे यकीन है कि अब दुनिया की कोई भी ताकत यहां के लोकतंत्र को कमजोर नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को यह नहीं भूलना चाहिए कि यह एक 'नया भारत' है और आतंकवाद के खिलाफ, अगर जरूरत पड़ी तो वह सीमा पार जाकर उसका सामना कर सकता है। उन्होंने कहा, और जो लोग सीमा पार से भारत को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं, मैं उनसे भी कहना चाहता हूं कि अगर भारत में कोई बड़ा आतंकवादी हमला होता है, तो वे जहां भी बैठे हों, हम घुस कर मारेंगे।

सिंह ने कहा कि जब से उनकी सरकार सत्ता में आयी है, कश्मीर में शांति है और इस सच्चाई से कोई इनकार नहीं कर सकता। उन्होंने पाकिस्तान की वित्तीय सेहत को लेकर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, वर्ष 2014-15 में जम्मू-कश्मीर को विशेष पीएम पैकेज दिया गया था। आज पीएम पैकेज 90,000 करोड़ रुपये का है। और आप अंदाजा लगा सकते हैं कि यह राशि कितनी है। जिस राशि के लिए पूरा पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के सामने भीख मांग रहा था, हमारी सरकार ने उससे कहीं ज्यादा जम्मू-कश्मीर को दी है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर के विकास और यहां के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए काम करती है। श्री सिंह ने कहा, और पाकिस्तान में वित्तीय सहायता का इस्तेमाल आतंकवाद की फैक्टरियां चलाने के लिए किया जाता है और यह लंबे समय से चल रहा है। आतंकवाद का यह कारोबार लंबे समय तक नहीं चलने वाला है। मैं आपको यह आश्वासन देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि कश्मीर में आतंकवाद की हर घटना के पीछे पाकिस्तान का हाथ है। पूरी दुनिया में आतंकवाद फैलाने के लिए पाकिस्तान बेनकाब हो चुका है।

- **कश्मीर में आतंकवाद की हर घटना के पीछे पाकिस्तान का हाथ है। पूरी दुनिया में आतंकवाद फैलाने के लिए पाकिस्तान बेनकाब हो चुका है।**
- **पाकिस्तान को यह नहीं भूलना चाहिए कि यह एक 'नया भारत' है और आतंकवाद के खिलाफ, अगर जरूरत पड़ी तो वह सीमा पार जाकर उसका सामना कर सकता है।**

जम्मू कश्मीर: कठुआ में एक आतंकी ढेर

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर में कठुआ जिले के एक सुदूर गांव में आतंकवाद रोधी अभियान में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया जिसके पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने का संदेह है, जबकि केंद्र प्रशासित क्षेत्र के राजौरी जिले में भी रविवार शाम को आतंकवादियों से एक और मुठभेड़ शुरू होने की जानकारी मिली है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रविवार शाम को राजौरी जिले के थानामंडी इलाके में एक और मुठभेड़ तब शुरू हो गई, जब सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर थानामंडी के मनियाल गली में सुरक्षा बलों द्वारा एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया था। आतंकियों का पता चलने पर दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई।'' इससे पहले दिन में क्षेत्र में एक नदी के किनारे एक हथगोला पाया गया जिसे बाद में विशेषज्ञों द्वारा नियंत्रित विस्फोट करके नष्ट कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि कठुआ जिले की बिलावर तहसील के कोग-मंडली में शनिवार शाम हुई मुठभेड़ के स्थल से रविवार दोपहर में एक अज्ञात आतंकवादी का शव बरामद किया गया जिससे दो दिवसीय अभियान में मरने वालों की संख्या दो हो गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र के बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र को राष्ट्र को समर्पित किया

प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए महाराष्ट्र में 11,200 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महाराष्ट्र में बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र (बीआईए) को राष्ट्र को समर्पित किया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए, जबकि पुणे में आयोजित समारोह में महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र 7,855 एकड़ में फैली एक परियोजना है। इसे दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) के तहत विकसित किया गया है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा, महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर से 20 किलोमीटर दक्षिण में स्थित यह औद्योगिक केंद्र मराठवाड़ा क्षेत्र में आर्थिक वृद्धि को गति देने की अपार क्षमता रखता है।

केंद्र सरकार ने 6,414 करोड़ रुपए की कुल लागत वाली इस परियोजना को मंजूरी दी है, जिसे तीन चरणों में विकसित किया जाना है। इसमें कहा गया है, चरण ए, 2,511 एकड़ को कवर करता है।

मैंने पूर्ववर्ती सरकारों की 'पुरानी कार्य संस्कृति' को खत्म कर दिया है : मोदी

पुणे/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पूर्ववर्ती सरकारों पर ''शहरी क्षेत्रों के विकास के लिए योजना और दूरदृष्टि की कमी'' का आरोप लगाया और कहा कि अगर वही ''पुरानी कार्य संस्कृति'' होती तो पुणे मेट्रो परियोजना का काम आगे नहीं बढ़ पाता। मोदी ने कहा कि उन्होंने इस ''पुरानी कार्य संस्कृति'' को खत्म कर दिया है।

प्रधानमंत्री ने जिला न्यायालय से स्वारगेट तक पुणे मेट्रो खंड का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन किया और मेट्रो को हरी झंडी दिखाई।

मोदी ने कहा कि पुणे मेट्रो के प्रथम चरण के पूरा होने से शहर में लोगों का आवागमन सुगम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों की तरह अगर सोचने का वही पुराना तरीका होता तो पुणे मेट्रो का काम पूरा नहीं हो पाता। प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र को नए संकल्पों और बड़े लक्ष्यों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पुणे को शहरी विकास के केंद्र में तब्दील करने की जरूरत है।

मोदी को सत्ता से हटाए जाने से पहले मरूंगा नहीं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जसरोटा (जम्मू)/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए संघर्ष करने का संकल्प व्यक्त किया और कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सत्ता से बेदखल करने तक राजनीति में सक्रिय रहेंगे। खरगे की टिप्पणी केंद्र की भाजपा नीत सरकार की केंद्र शासित प्रदेश के मामले में कार्यप्रणाली, विशेषकर चुनावों में देरी को लेकर आलोचना के बीच आई है।

रैली स्थल पर चिकित्सा सहायता मिलने के बाद खरगे ने कहा, हम राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लड़ेंगे। कुछ भी हो, हम इसे छोड़ने वाले नहीं हैं। मैं 83 साल का हो गया हूं, मैं इतनी जल्दी मरने वाला नहीं हूं। जब तक (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी को सत्ता से नहीं हटाएंगे तब तक मैं जिंदा ही रहूंगा। आपकी बात सुनूंगा। आपके लिए लड़ूंगा।

इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष ने बोलते समय चक्कर आने की शिकायत की थी और उन्हें चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध करानी पड़ी थी। कांग्रेस महासचिव गुलाम अहमद मीर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, वह जसरोटा में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित कर रहे थे, तभी उन्हें बेचैनी महसूस हुई और चक्कर आने लगा। उनके सहयोगियों ने उन्हें कुर्सी पर बैठाने में मदद की। खरगे विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने हेतु एक रैली को संबोधित करने जसरोटा गए थे।

जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के उपाध्यक्ष रवींद्र शर्मा ने बताया कि खरगे को चक्कर आ रहा था और उन्हें एक कमरे में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों को जांच के लिए बुलाया गया। उन्होंने बताया कि डॉक्टर सलाह देंगे कि वह उधमपुर में होने वाली दूसरी रैली में शामिल हो सकते हैं या नहीं।

'एक देश, एक चुनाव' योजना को लागू करने के लिए तीन विधेयकों पर विचार कर रही है सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में एक साथ चुनाव कराने की अपनी योजना को अमल में लाने के लिए सरकार द्वारा तीन विधेयक लाए जाने की संभावना है, जिनमें दो संविधान संशोधन से संबंधित होंगे।

प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयकों में से एक, स्थानीय निकाय चुनावों को लोकसभा और विधानसभाओं के साथ कराये जाने से संबंधित है। इसके लिए कम से कम 50 प्रतिशत राज्यों के अनुसमर्थन की आवश्यकता होगी।

अपनी 'एक देश, एक चुनाव' योजना के साथ आगे बढ़ते हुए, सरकार ने इस महीने की शुरूआत में देशव्यापी सहमति बनाने की कवायद के बाद चरणबद्ध तरीके से लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिए एक साथ चुनाव कराने की उच्च-स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया।

प्रस्तावित पहला संविधान संशोधन विधेयक, लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का प्रावधान करने से संबंधित होगा।

सूत्रों ने उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों का हवाला देते हुए कहा कि प्रस्तावित विधेयक में 'नियत तिथि' से संबंधित उप-खंड (1) जोड़कर अनुच्छेद 82ए में संशोधन करने का प्रयास किया जाएगा। इसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल को एक साथ समाप्त करने से संबंधित अनुच्छेद 82ए में उप-खंड (2) शामिल किया जाएगा।

इसमें अनुच्छेद 83(2) में संशोधन करने और लोकसभा का कार्यकाल और इसे भंग किये जाने से संबंधित नए उप-खंड (3) और (4) सम्मिलित करने का भी प्रस्ताव है। इसमें विधानसभाओं को भंग करने और ''एक साथ चुनाव'' शब्द को शामिल करने के लिए अनुच्छेद 327 में संशोधन करने से संबंधित प्रावधान भी हैं।

सिफारिश में कहा गया है कि इस विधेयक को कम से कम 50 प्रतिशत राज्यों द्वारा अनुसमर्थन की आवश्यकता नहीं होगी।

प्रस्तावित दूसरे संविधान संशोधन विधेयक को कम से कम 50 प्रतिशत राज्य विधानसभाओं द्वारा अनुसमर्थन की आवश्यकता होगी क्योंकि यह राज्य के मामलों से संबंधित विषयों से निपटेगा।

यह स्थानीय निकायों के चुनावों के लिए राज्य निर्वाचन आयोगों (एसईसी) के परामर्श से निर्वाचन आयोग (ईसी) द्वारा मतदाता सूची तैयार करने से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों में संशोधन करने का प्रस्ताव करेगा। संवैधानिक रूप से, ईसी और एसईसी अलग-अलग निकाय हैं।

निर्वाचन आयोग राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं और राज्य विधानपरिषदों के लिए चुनाव कराता है, जबकि एसईसी को नगर पालिकाओं और पंचायतों जैसे स्थानीय निकायों के लिए चुनाव कराने का अधिकार प्राप्त है।

नेपाल में बाढ़, भूस्खलन के कारण जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 148 हुई

काठमांडू/भाषा। नेपाल में बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर रविवार को 148 हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। शुक्रवार से पूर्वी और मध्य नेपाल के बड़े हिस्से जलमग्न हो गए हैं और देश के कई हिस्सों में अचानक बाढ़ आ गई है।

पुलिस के अनुसार, काठमांडू घाटी में बारिश से संबंधित घटनाओं के कारण अब तक 43 लोगों की मौत हुई है। सशस्त्र पुलिस बल सूत्रों के अनुसार बाढ़, भूस्खलन और जलभराव के कारण 55 लोग लापता हैं, जबकि 101 लोग घायल हुए हैं। भूस्खलन के कारण शनिवार से ही राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हैं और सैकड़ों लोग विभिन्न राजमार्गों पर फंसे हुए हैं। कम से कम 322 मकान और 16 पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

रोड शो

पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती रविवार को गुलमर्ग में पार्टी उम्मीदवार शब्बीर अहमद मीर के समर्थन में रोड शो करती हुई।

शहरी मतदाताओं की उदासीनता चिंता का विषय: मुख्य निर्वाचन आयुक्त

मुंबई/भाषा

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को शहरी मतदाताओं की उदासीनता पर चिंता व्यक्त की और कहा कि आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में अधिकतम मतदान सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए मतदान तैयारियों की समीक्षा के बाद मुंबई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कुमार ने मुंबई और उसके आसपास के कोलाबा और कल्याण जैसे क्षेत्रों का जिक्र किया, जहां इस वर्ष हुए लोकसभा चुनावों में सबसे कम मतदान हुआ है। उन्होंने कहा कि दैनिक वेतन भोगियों और असंगठित क्षेत्र के अन्य लोगों को प्रशासन द्वारा सूचित किया जाना चाहिए कि मतदान के दिन उन्हें सवैतनिक अवकाश होगा। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना होगा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान (मतदाता सूची में) अधिकतम नामांकन और मतदान हो। कुमार ने कहा, हमने महाराष्ट्र सरकार से उन अधिकारियों को स्थानांतरित करने को कहा है, जो तीन साल से अधिक समय से अपने गृह जिले या वर्तमान पदस्थापना की जगह पर कार्यरत हैं। कुमार ने कहा कि उन्होंने अगले कुछ दिनों में इस संबंध में अनुपालन रिपोर्ट मांगी है। सीईसी ने कहा कि यह मतदाताओं का अधिकार है कि वे जानें कि किसी उम्मीदवार की आपराधिक पृष्ठभूमि है या नहीं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को लोगों को ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतारने के कारण भी बताने चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में प्रलोभन मुक्त विधानसभा चुनाव सुनिश्चित करने के लिए (चुनाव प्रचार के दौरान) सभी हेलीकॉप्टरों की जांच की जाएगी। राज्य के अपने दो दिवसीय दौरे के समापन पर कुमार ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव से पहले सोशल मीडिया पर फर्जी खबरें फैलाने वालों और डीप फेक तकनीक का इस्तेमाल करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा।

कुमार ने यह भी कहा कि यह मतदाताओं का अधिकार है कि वे जानें कि किसी उम्मीदवार की आपराधिक पृष्ठभूमि है या नहीं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में राजनीतिक दलों को मतदाताओं को यह भी बताना चाहिए कि वे किसी और को मैदान में उतारने में असमर्थ हैं।

कुमार ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि महाराष्ट्र आगामी लोकतंत्र के उत्सव (विधानसभा चुनाव) में योगदान देगा।'' उन्होंने कहा, हमने मुंबई प्रवास के दौरान राजनीतिक दलों और अधिकारियों सहित सभी हितधारकों से मुलाकात की।

कुमार ने कहा, राजनीतिक दलों ने हमें चुनाव की तारीखों की घोषणा करने से पहले दिवाली, देव दिवाली और छठ पूजा जैसे त्योहारों को ध्यान में रखने को कहा है।

यह पूछे जाने पर कि क्या महाराष्ट्र में चुनाव एक चरण में होंगे या कई चरणों में होंगे, उन्होंने कहा, यह आपको बाद में पता चलेगा।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 1,00,186 मतदान केंद्र होंगे। उन्होंने कहा, हमने बसपा, आप, माकपा, कांग्रेस, मनसे, सपा, शिवसेना (यूबीटी), शिवसेना सहित 11 दलों के नेताओं से मुलाकात की। संवाददाता सम्मेलन में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू भी मौजूद थे। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 26 नवंबर से पहले होने हैं, क्योंकि 288 सदस्यीय सदन का कार्यकाल उसी दिन समाप्त हो रहा है।

हरियाणा में 'दर्द के दशक' का अंत करेंगे: राहुल

नई दिल्ली/भाषा

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए जारी कांग्रेस के घोषणापत्र का हवाला देते हुए शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी की सरकार राज्य में 'दर्द के दशक' का अंत करेगी।

कांग्रेस की हरियाणा इकाई ने शनिवार को राज्य विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया, जिसमें किसानों के कल्याण के लिए एक आयोग के गठन, शहीद सैनिकों के परिवारों के लिए 2 करोड़ रुपए, रोजगार सृजन समेत कई वादे किए गए हैं।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भाजपा ने एक दशक में हरियाणा से उसकी समृद्धि, उसके सपने और शक्ति छीन ली। अग्निवीर से देशभक्त युवाओं की आकांक्षाएं छीन ली, बेरोज़गारी से परिवारों की हंसी छीन ली और महंगाई से महिलाओं की आत्मनिर्भरता।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''भाजपा ने काले कानून ला कर किसानों का हक़ तक छीन लेने का प्रयास किया, तो नोटबंदी और गलत जीएसटी से लाखों छोटे व्यापारियों का मुनाफा छीन लिया। अपने चुने हुए 'मित्रों' को फायदा पहुंचाने के लिए हरियाणा का आत्मसम्मान तक छीन लिया।''

पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''कांग्रेस की आने वाली सरकार 'दर्द के दशक' का अंत करेगी – हर हरियाणा वासी की उम्मीदों, आकांक्षाओं और ख्वाबों को पूरा करना हमारा संकल्प है।'' उन्होंने कहा कि बचत से ले कर सेहत, अधिकारों की रक्षा से सामाजिक सुरक्षा, रोज़गार की बहार, हंसता खेलता हर परिवार, ये कांग्रेस की गारंटी है।

'कैमन' प्रजाति के मगरमच्छ के पांच बच्चे जब्त

मुंबई/भाषा। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो यात्रियों को कथित तौर पर 'कैमन' प्रजाति के मगरमच्छ के बच्चों की तस्करी के प्रयास में पकड़ा गया है। सीमा शुल्क विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मुंबई सीमा शुल्क विभाग की हवाई खुफिया इकाई (एआईयू) ने शुक्रवार देर रात दो यात्रियों को रोका। ये दोनों यात्री बैंकॉक (थाईलैंड) से विस्तारा की उड़ान से यहां पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि उनके हाथ में लिए थैले में टूथपेस्ट के डिब्बों में मगरमच्छ के पांच बच्चे मिले। अधिकारियों ने बताया कि करीब से पांच से सात इंच लंबे मगरमच्छ के बच्चे निर्जलीकरण से प्रभावित प्रतीत हो रहे थे। उन्होंने बताया कि उनका उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डा और वन्यजीव प्राधिकरण, एयरलाइन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि वन्यजीव अधिनियम के तहत निर्धारित नियमों के अनुसार मगरमच्छ के इन बच्चों को वहां भेजा जा सके जहां से इन्हें तस्करी कर लाया गया। 'कैमन' अमेरिका की मूल मगरमच्छ प्रजाति है जो झीलों, नदियों और दलदलीय क्षेत्रों में पाया जाता है।

तिरुपति विवाद: वाईएसआरसीपी के नेताओं ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के 'पाप' का प्रायश्चित किया

अमरावती/भाषा

वाईएसआरसीपी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शनिवार को 'क्षमायाचना' अनुष्ठान किया और कहा कि इसके जरिए उन्होंने तिरुपति लड्डुओं की पवित्रता पर सवाल उठाकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू द्वारा किए गए ''पाप'' का ''प्रायश्चित'' किया।

नायडू ने हाल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विधायक दल की एक बैठक में आरोप लगाया था कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर को भी नहीं बख्शा और लड्डू बनाने में घटिया सामग्री एवं पशु चर्बी का इस्तेमाल किया।

इन आरोपों से हिंदू भावनाएं आहत हुईं और देशभर में जनाक्रोश भड़क गया।

इस जनाक्रोश के बाद वाईएसआरसीपी के प्रमुख वाई एस जगनमोहन रेड्डी ने आरोप लगाया कि नायडू लड्डुओं के बारे में सरासर झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई अपवित्रता नहीं हुई क्योंकि जांच के लिए भेजे गए घी के नमूने राजग शासन के दौरान के लिए गए थे।

रेड्डी ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से नायडू द्वारा आरोप लगाकर किए गए कथित 'पाप' को धोने के लिए प्रायश्चित करने का आह्वान किया।

वरिष्ठ वाईएसआरसीपी नेता और तिरुपति तिरुमाला देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व अध्यक्ष बी करुणाकर रेड्डी ने तिरुपति के तताया गुंटा में गंगम्मा मंदिर में पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया। इसी तरह पूर्व सिंचाई मंत्री अंबाती रामबाबू ने गुंटूर में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। वाईएसआरसीपी नेता एम शर्मिला रेड्डी ने एक स्थानीय समाचार चैनल से कहा, ''नायडू ने भगवान को भी राजनीति में घसीटा और एक ऐसी घटना पर बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया जो कभी हुई ही नहीं। मैं एक बात पूछ रही हूं। जब घी की खेप (कथित मिलावटी घी के टैंकर) आए थे, तब मुख्यमंत्री कौन था?''

नायडू के आरोपों को लेकर इलुरु जिले में भी कई वाईएसआरसीपी समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं ने विशेष पूजा की।

जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने का फैसला 'अस्थायी' है: मोदी

जम्मू/भाषा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने का फैसला ''अस्थायी'' है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार क्षेत्र का राज्य का दर्जा बहाल करेगी।

विपक्षी दलों कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) पर निशाना साधते हुए उन्होंने इन पर लोगों को उनके अधिकारों से वंचित करने का आरोप लगाया।

मोदी ने कहा कि यह भाजपा ही है जिसने भेदभाव को समाप्त किया है और तीन परिवारों के पीड़ितों के घावों पर मरहम लगा रही है।

एक अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण के लिए प्रचार समाप्त होने से एक दिन पहले जम्मू के मध्य क्षेत्र में स्थित एम ए एम स्टेडियम में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश में बदलने का निर्णय अस्थायी है। उन्होंने कहा, ''भाजपा एकमात्र पार्टी है जो इस क्षेत्र का राज्य का दर्जा बहाल करेगी।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''कांग्रेस, नेकां और पीडीपी जम्मू-कश्मीर में हो रहे बदलावों से परेशान हैं, क्योंकि उन्हें आपका विकास पसंद नहीं है।'' मोदी ने कहा कि विशेष रूप से जम्मू क्षेत्र को तीनों दलों के हाथों ''दशकों तक अन्याय'' का सामना करना पड़ा, जिसने न केवल डोगरा विरासत को बदनाम किया बल्कि उनके शासकों को भी बदनाम किया। उन्होंने कहा, ''सबसे 'भ्रष्ट' कांग्रेस परिवार डोगरा शासकों पर भ्रष्ट होने का आरोप लगा रहा है।'' उन्होंने कहा कि यह भाजपा ही है जिसने ''भेदभाव'' को समाप्त किया और पिछले 10 वर्षों के दौरान क्षेत्र को न्याय प्रदान किया।

आईआईटी और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) समेत विभिन्न शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों की स्थापना और सुरंगों जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस, नेकां और पीडीपी ने लोगों को उनके अधिकारों से वंचित करके घाव दिए लेकिन भाजपा ने उनके धर्म की परवाह किए बिना उन तक पहुंचकर उन्हें मतदान का अधिकार, आरक्षण और महिला सशक्तीकरण देकर उनके घावों पर मरहम लगाया। उन्होंने कहा, ''आने वाले समय में जम्मू के विकास को और बढ़ावा मिलेगा। मैं व्यापारी समुदाय को बताना चाहता हूं कि आने वाला समय उनके लिए अवसरों से भरा होगा।'' उन्होंने कहा, ''जम्मू में अधिक निवेश लाने और स्थानीय युवाओं को उनके अपने जिलों में रोजगार प्रदान करने के लिए उद्योग स्थापित करने के हमारे प्रयास जारी हैं।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले कांग्रेस, नेकां और पीडीपी के करीबी लोगों को ही नौकरी मिलती थी लेकिन अब भाजपा के शासन में जम्मू-कश्मीर के हर युवा को उसका अधिकार और सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा, ''पिछले 60 से 65 साल में इस क्षेत्र ने केवल विनाश देखा है... विकास तो दूर, जीवन के हर क्षेत्र में नुकसान हुआ है। मोदी अतीत के उन सभी गड्ढों को भरने के लिए ईमानदारी से काम कर रहा है और आपकी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रयासरत है।''

मोदी ने भाजपा के घोषणापत्र और वादों का भी उल्लेख किया जिसमें कहा गया है कि कश्मीरी प्रवासी पंडितों, शरणार्थियों और महिलाओं समेत समाज के हर वर्ग को उनका अधिकार मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा विभिन्न परियोजनाओं को पूरा करके और नए गंतव्यों की पहचान करके क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बड़ा प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस सीमावर्ती गांवों को देश का आखिरी गांव मानती थी। हम ऐसे गांवों को पहले गांव के रूप में देख रहे हैं और इन्हें जीवंत गांव परियोजना के तहत विकसित कर रहे हैं।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि जम्मू की सड़कों पर इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं, जम्मू रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जम्मू हवाई अड्डे का विस्तार किया जा रहा है, बाहु रोपवे परियोजना पूरी हो गई है जबकि तवी रिवर फ्रंट परियोजना एक प्रमुख आकर्षण होने जा रही है।

मोदी ने कहा कि भाजपा महिलाओं का सशक्तीकरण चाहती है। उन्होंने कहा, ''हम जम्मू-कश्मीर में अपनी बहनों को लखपति दीदी बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों की मदद करने के अपने प्रयास जारी रखेंगे।''

स्वागत

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान रविवार को देवास के काठेगांव की यात्रा के दौरान इच्छावर में स्थानीय लोगों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किए किया गया।

सोमनाथ मंदिर के पास अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान 135 लोग हिरासत में लिए गए

गिर सोमनाथ/भाषा। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में सोमनाथ मंदिर के पास सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने के लिए शनिवार को चलाए गए अभियान के दौरान 135 लोगों को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिला प्रशासन ने एक बयान में कहा कि सोमनाथ मंदिर स्थल, वेरावल के प्रभास पाटन में सरकारी भूमि पर अनधिकृत संरचनाओं को हटाने के लिए चलाए गए अभियान के लिए सैकड़ों पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था।

प्रशासन ने कहा कि तड़के शुरू हुए अभियान के दौरान धार्मिक संरचनाओं और कंक्रीट के घरों को ध्वस्त कर दिया गया और 60 करोड़ रुपए मूल्य की लगभग 15 हेक्टेयर सरकारी भूमि को मुक्त कराया गया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस कार्य में 52 ट्रैक्टरों, 58 बुलडोजरों, दो हाइड्रा क्रेनों, पांच ट्रक, दो एम्बुलेंस और तीन दमकल गाड़ियों को शामिल किया गया।

विज्ञप्ति के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ 788 पुलिस कर्मियों और राज्य रिजर्व पुलिस बल (एसआरपीएफ) के जवानों को तैनात किया गया था।

दर्शन

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ अपनी पत्नी कल्पना दास के साथ तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में प्रार्थना करने जाते हुए।

मालेगांव विस्फोट मामला: पीड़ित 16 साल बाद भी इंसाफ की बाट जोह रहे

मुंबई/भाषा

महाराष्ट्र में 29 सितंबर, 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में 16 साल बाद अब जाकर सुनवाई करीब अंतिम चरण में पहुंची है। इस विस्फोट में छह लोगों की मौत हो गई थी जबकि 100 से अधिक अन्य व्यक्ति घायल हुए थे।

अभियोजन पक्ष इस मामले में अपनी आखिरी दलीलें पेश कर चुका है जबकि बचाव पक्ष के 30 सितंबर से अपनी अंतिम दलीलें पेश किये जाने की संभावना है।

इस घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों और घायल हुए लोगों के लिए यह इंसाफ की लंबी लड़ाई है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 200 किलोमीटर दूर मालेगांव में 29 सितंबर, 2008 को एक मस्जिद के समीप एक मोटरसाइकिल पर रखी विस्फोटक सामग्री में धमाका होने से छह लोगों की मौत हो गयी थी एवं 100 से अधिक अन्य घायल हो गये थे।लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित, भाजपा नेता प्रज्ञा ठाकुर, मेजर (सेवानिवृत) रमेश उपाध्याय, अजय रहीरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी अवैध गतिविधि रोकथाम अधिनियम एवं भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत सुनवाई का सामना कर रहे हैं।प्रारंभ में महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधक दस्ते ने इस मामले की जांच की। बाद में 2011 में इसकी जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण को सौंप दी गयी। हताहतों का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील शाहिद नदीम ने कहा, '' सुनवाई समापन के करीब है। हम आशा करते हैं कि अदालत शीघ्र उसका समापन करेगी।'' उन्होंने कहा कि इंसाफ की खातिर प्रभावित लोगों ने दखल दिया एवं आरोपियों की रिहाई एवं जमानत अर्जियों का विरोध किया लेकिन इस मामले में एटीएस का दिलचस्पी नहीं लेना सबसे बड़ी चिंता रही। विस्फोट में अपने बेटे सईद अजहर को गंवा चुके निसार अहमद ने सुनवाई की धीमी गति पर खिन्नता प्रकट की लेकिन कहा कि उन्हें अदालत पर विश्वास है।

तमिलनाडु : सेंथिल बालाजी समेत तीन अन्य ने मंत्री पद की शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि ने रविवार को यहां द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता वी. सेंथिल बालाजी को मंत्री पद की शपथ दिलाई। बालाजी को कुछ दिन पहले ही धनशोधन के एक मामले में उच्चतम न्यायालय से जमानत मिली थी।

सेंथिल बालाजी (48) को बिजली, गैर-परंपरागत ऊर्जा विकास, मद्द-निषेध एवं उत्पाद शुल्क' का वही प्रमुख विभाग सौंपा गया है, जो पहले भी स्टालिन मंत्रिमंडल में उनके पास था। द्रमुक के तीन अन्य विधायकों आर. राजेंद्रन (सलेम-उत्तर), गोवी चेझियान (तिरुविदाईमारुदुर) और एस. एम. नासर (अवाडी) ने भी राजभवन में आयोजित एक सादे समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की मौजूदगी में शपथ ली। इस अवसर पर उनके बेटे उदयनिधि भी मौजूद थे, जो पहले ही उपमुख्यमंत्री बनाए जा चुके हैं। गोवी चेझियान को तकनीकी शिक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, विज्ञान और प्रौद्योगिकी समेत उच्च शिक्षा विभाग आवंटित किया गया है, जो पहले के. पोनमुडी (अब वन मंत्री) के पास था।

तंजावुर जिले के मूल निवासी चेझियान (58) मंत्री नियुक्त होने से पहले एक वक्ता, पार्टी पदाधिकारी और मुख्य सरकारी सचेतक थे। तीन बार विधायक रहे चेझियान पहली बार 2011 में चुने गए थे।

राजेंद्रन (65) को पर्यटन विभाग दिया गया है। उन्हें सलेम राजेंद्रन के नाम से भी जाना जाता है। वह छात्र जीवन से ही पार्टी कार्यकर्ता हैं और युवा शाखा समेत पार्टी के विभिन्न पदों पर रह चुके हैं। वह वकील हैं और तीसरी बार विधायक बने हैं। अवाडी से पार्टी के जाने-माने चेहरे 64-वर्षीय नासर को अल्पसंख्यक कल्याण और अनिवासी तमिल कल्याण मंत्री बनाया गया है।

बालाजी को पिछले साल 14 जून को ईडी ने कथित नौकरी के बदले नकदी घोटाले से जुड़े धनशोधन के एक मामले में गिरफ्तार किया था। यह मामला उस समय का है, जब बालाजी पूर्ववर्ती ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) सरकार में परिवहन मंत्री थे। मई 2023 में नासर को मंत्रिमंडल से हटा दिया गया था और उस समय वह दुग्ध और डेयरी विकास मंत्री थे।

अठाईस सितंबर को कैबिनेट से हटाये गये के. रामचंद्रन को रविवार को मुख्य सरकारी सचेतक नियुक्त किया गया। रामचंद्रन पहले पर्यटन मंत्री थे। चारों विधायकों ने तमिल में शपथ ली।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने तीन मंत्रियों (टी मनो थंगराज, गिंगी केएस मस्तान और के रामचंद्रन) को हटा दिया और चार मंत्रियों को शामिल किया। मुख्यमंत्री समेत मंत्रिमंडल में अब कुल 35 सदस्य हैं।

आधारशिला

चेन्नई में उद्योग निवेश संवर्धन एवं व्यापार विभाग की तत्वावधान में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने रानीपेट जिले के चिपकोट पापक्कम औद्योगिक पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में 9,000 करोड़ रुपये के निवेश और 5,000 लोगों को रोजगार प्रदान करने वाले टाटा मोटर्स के वाहन विनिर्माण संयंत्र की आधारशिला रखी। इस कार्यक्रम में जल और वानिकी मंत्री दुरई मुरुगन, हथकरघा और कपड़ा मंत्री आर. गांधी, वाणिज्य, उद्योग और निवेश संवर्धन मंत्री, डॉ. डीआर सांसद जगन, विधान सभा के सदस्य एलाम मुनिरत्नम, होल मस्वरप्पन और पी. कार्तिकियन, कंपनी के अध्यक्ष एन. चन्द्रशेखरन आदि उपस्थित थे।

नवरात्रि शुभ मुहूर्त

बेंगलूरु। आसोज शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि गुरुवार 3 अक्टूबर को नवरात्रि प्रारंभ हो रही है। नवरात्रि के पहले दिन घट स्थापना का विधान है, घट स्थापना करने से देवी मां प्रसन्न होती हैं। धार्मिक मान्यता अनुसार कलश में ब्रह्मा, विष्णु, महेश और मातृगण का निवास बताया गया है। मां की पूजा के समय घट स्थापना करने से जातक को शुभ परिणामों की प्राप्ति होती हैं। इस बार नवरात्रि के पहले दिन ऐन्द्र योग के साथ-साथ हस्त नक्षत्र का संयोग बन रहा है, ऐसे में कलश स्थापना करना और भी शुभ माना जा रहा है। घट स्थापना के लिए शुभ मुहूर्त प्रातः 6.08 बजे से 7.38 बजे तक शुभ वेला व दिन में 11.44 बजे से 12.32 बजे तक अभिजीत मुहूर्त श्रेष्ठ रहेगा।

पंडित जगदीश आचार्य,
मोबाइल : 9448417398

भाजपा ने उदयनिधि को तमिलनाडु का उपमुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर द्रमुक पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के बेटे उदयनिधि को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर रविवार को द्रमुक पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी का ध्यान केवल भ्रष्टाचार और अपने नेतृत्व के परिवार की प्रगति पर है।

धनशोधन मामले में आरोपी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता वी सेंथिल बालाजी को मंत्री पद की शपथ दिलाए जाने और राज्य के मुख्यमंत्री के बेटे उदयनिधि स्टालिन को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद भाजपा की यह प्रतिक्रिया आई है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, इससे एक बात तो साफ है कि यह पार्टी परिवार की है, परिवार के लिए है और परिवार के द्वारा है। यह एक प्राइवेट लिमिटेड पारिवारिक कंपनी है। इसलिए पहले पिता, फिर बेटा और फिर पोता... और यह सिलसिला चलता रहता है। उन्होंने कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), समाजवादी पार्टी (सपा) और विपक्षी गठबंधन इंडिया' के अन्य घटकों पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि ये सभी पार्टियां केवल अपने नेतृत्व के परिवार की चिंता करती हैं। पूनावाला ने आरोप लगाया, पूरा 'इंडी' गठबंधन इसके (द्रमुक) जैसा ही है। भ्रष्टाचार और परिवार इन पार्टियों के दो स्तंभ हैं। इनके लिए परिवार पहले है, देश नहीं।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जहां कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी, राकांपा (एसपी) के शरद पवार और द्रमुक प्रमुख स्टालिन चाहते हैं कि उनके बेटे और बेटियां आगे बढ़ें तो वहीं सपा के दिवंगत नेता मुलायम सिंह यादव भी चाहते थे कि उनके बेटे अखिलेश यादव आगे बढ़ें। उन्होंने आरोप लगाया कि वे केवल अपने बेटे-बेटियों को आगे बढ़ाने की चिंता करते हैं, भारत के बेटे-बेटियों की नहीं। पूनावाला ने कहा, केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही हैं, जो देश के बेटे-बेटियों की चिंता करते हैं।

आयकर-टीडीएस जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अतिरिक्त आयकर आयुक्तालय, टीडीएस रेंज-3, चेन्नई ने अतिरिक्त आयकर आयुक्त, टीडीएस रेंज-3 के एम कार्तिकियन के कुशल मार्गदर्शन में 27 सितम्बर को आयकर कार्यालय परिसर, 16, ग्रीम्स रोड, चेनानी में आयकर-टीडीएस जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें विभिन्न व्यवसाय क्षेत्र के 30 से अधिक कटौतीकर्ताओं ने भाग लिया और लाभान्वित हुए। सुश्री रेवती भलाजी, चार्टर्ड अकाउंटेंट ने स्वागत भाषण दिया। जागरूकता कार्यक्रम में आयकर अधिकारी के सेंथिल कुमार, वी दीपन कुमार और एल राजारमन ने आयकर अधिनियम, 1961 के टीडीएस/टीसीएस प्रावधानों के प्रभावी कार्यान्वयन, आयकर अधिनियम, 1961 के तहत आयकर कटौतीकर्ताओं के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों तथा आयकर अधिनियम, 1961 के तहत टीडीएस/टीसीएस प्रावधानों का गैर-अनुपालन और इसके परिणामों पर विचार-विमर्श किया। टीडीएस सलाहकार श्रीमती जानकी कार्तिकियन ने आयकर-ट्रेसेज पोर्टल पर एक पीपीटी प्रस्तुत की।

'एडीजीपी के आरएसएस नेताओं से मुलाकात में कुछ भी असामान्य नहीं'

तिरुवनंतपुरम। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) एम आर अजित कुमार की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेतृत्व के साथ निजी बैठक में कथित तौर पर उनके साथ रहे आरएसएस नेता ए जयकुमार ने रविवार को दावा किया कि इसमें कुछ भी असामान्य नहीं था।

दत्तात्रेय होसबोले और राम माधव सहित आरएसएस नेताओं के साथ विभिन्न बैठकों में अजित कुमार के साथ रहे जयकुमार ने कहा कि मुख्य सचिवों सहित कई आईएएस (भारतीय प्रशासनिक सेवा) और आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारियों ने आरएसएस नेतृत्व के साथ निजी बैठकें की हैं। आरएसएस नेताओं के साथ एडीजीपी कुमार की बैठक से केरल में विवाद छिड़ गया है, जिसपर राज्य में सत्तारूढ़ दल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की सहयोगी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और विपक्षी कांग्रेस ने भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

मीडिया की खबरों के अनुसार, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के करीबी विश्वासपात्र अजित कुमार ने मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को स्पष्टीकरण दिया था कि उन्होंने पिछले मई में त्रिशूर में आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबोले से मुलाकात की थी, लेकिन स्पष्ट किया था कि यह एक निजी मुलाकात'' थी। हालांकि, विवाद के बाद पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने मामले की जांच शुरू की और कानून व्यवस्था के प्रभारी अजित कुमार का बयान उनकी निजी मुलाकातों के संबंध में दर्ज किया।

जयकुमार ने रविवार को फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें टीवी चैनलों से पता चला कि डीजीपी कार्यालय ने कथित बैठकों की जारी जांच के संबंध में उन्हें नोटिस जारी किया है। उन्होंने कहा कि आरएसएस से जुड़े अपने काम के सिलसिले में उन्होंने कई हस्तियों से मुलाकात की है। जयकुमार ने कहा, यह पहली बार नहीं है कि कोई एडीजीपी आरएसएस के किसी नेता से मिले हैं। मुख्य सचिवों सहित कई आईपीएस और आईएएस अधिकारियों ने आरएसएस नेतृत्व के साथ निजी बैठकें की हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस के संपर्क प्रमुख के रूप में वे प्रमुख हस्तियों से मिलना जारी रखेंगे।

ट्रेन सेवाओं के स्वरूप में परिवर्तन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दक्षिण मध्य रेलवे ने सिकंदराबाद डिवीजन के विजयवाड़ा-काजीपेट-बल्हारशाह सेक्शन में वारंगल-हसनपार्थी-काजीपेट 'एफ' केबिन-हसनपार्थी रोड स्टेशन के बीच नॉन इंटरलॉकिंग/इंटरलॉकिंग कार्यों के कारण ट्रेन सेवाओं के पैटर्न में बदलाव के लिए अधिसूचना जारी की गई है।

29 सितंबर, 03 और 04 अक्टूबर को गोरखपुर से 06.35 बजे प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 12511 गोरखपुर-कोचुवेली राप्तीसागर एक्सप्रेस पूर्णतः रद्द है।

29 सितंबर, 01 , 02 और 06 अक्टूबर को कोचुवेली से 06.35 बजे निकलने वाली ट्रेन संख्या 12512 कोचुवेली-गोरखपुर राप्तीसागर एक्सप्रेस पूरी तरह से रद्द है।

30 सितंबर को 22.50 बजे बरौनी से खुलने वाली ट्रेन संख्या 12521 बरौनी-एर्नाकुलम राप्तीसागर एक्सप्रेस पूरी तरह रद्द है।

04 अक्टूबर, 2024 को 10.50 बजे एर्नाकुलम से निकलने वाली ट्रेन संख्या 12522 एर्नाकुलम-बरौनी राप्तीसागर एक्सप्रेस पूरी तरह रद्द है।

1 अक्टूबर को 14.15 बजे तिरुवनंतपुरम सेंट्रल से निकलने वाली ट्रेन संख्या 12643 तिरुवनंतपुरम-हजरत निजामुद्दीन सुपरफास्ट एक्सप्रेस पूरी तरह से रद्द है।

4 अक्टूबर को सुबह 05.10 बजे हजरत निजामुद्दीन से निकलने वाली ट्रेन संख्या 12644 हजरत निजामुद्दीन-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल सुपरफास्ट एक्सप्रेस पूरी तरह से रद्द है।

5 अक्टूबर, 2024 को 19.10 बजे एर्नाकुलम से निकलने वाली ट्रेन संख्या 12645 एर्नाकुलम-हजरत निजामुद्दीन मिलेनियम एक्सप्रेस पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन संख्या 12646 हज़रत निज़ामुद्दीन-एर्नाकुलम मिलेनियम एक्सप्रेस 01 और 08 अक्टूबर को हज़रत निज़ामुद्दीन से 05.10 बजे रवाना होने वाली पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन संख्या 16031 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-श्री माता वैष्णो देवी कटरा अंडमान एक्सप्रेस 29 सितंबर और 02 अक्टूबर को डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से 05.15 बजे रवाना होने वाली पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन नंबर 16032 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल अंडमान एक्सप्रेस 04 और 05 अक्टूबर को 22.25 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा से छूटने वाली पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन नंबर 16318 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-कन्याकुमारी हिमसागर एक्सप्रेस 30 सितंबर को 22.25 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा से छूटने वाली पूरी तरह से रद्द है ट्रेन संख्या 22354 एसएमवीटी बेंगलूरु-पटना एक्सप्रेस वाया जोलारपेट्टई, काटपाडी, अरकोनम, पेरम्बूर , 29 सितंबर को 13.50 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होगी, यह पूरी तरह से रद्द है।

30 सितंबर को 16.45 बजे इंदौर से रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 22645 इंदौर-कोचुवेली सुपरफास्ट एक्सप्रेस पूरी तरह रद्द है।

02 एवं 05 अक्टूबर को 19.40 बजे कोरबा से रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 22647 कोरबा-कोचुवेली एक्सप्रेस पूर्णतः रद्द रहेगी।

30 सितंबर और 03 अक्टूबर को कोचुवेली से 11:00 बजे छूटने वाली ट्रेन संख्या 22648 कोचुवेली-कोरबा एक्सप्रेस पूरी तरह रद्द है।

5 अक्टूबर को मदुरै से 06.15 बजे छूटने वाली ट्रेन संख्या 02121 मदुरै-जबलपुर स्पेशल पूरी तरह रद्द है।

3 अक्टूबर को 16.25 बजे जबलपुर से छूटने वाली ट्रेन संख्या 02122 जबलपुर-मदुरै स्पेशल पूरी तरह रद्द है।

ट्रेन संख्या 03241 दानापुर-एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस वाया पेरम्बूर, काटपाडी, जोलारपेट्टई 04 अक्टूबर को 15.00 बजे दानापुर से रवाना होने वाली पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन संख्या 03242 एसएमवीटी बेंगलूरु-दानापुर एक्सप्रेस जोलारपेट्टई, काटपाडी, पेरम्बूर के रास्ते 29 सितंबर और 6 अक्टूबर को 23.50 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होगी, पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन संख्या 03245 दानापुर-एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस वाया पेराम्बूर, काटपाडी, जोलारपेट्टई 02 अक्टूबर को 15.00 बजे दानापुर से रवाना होगी, यह पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 03246 एसएमवीटी बेंगलूरु-दानापुर एक्सप्रेस जोलारपेट्टई, काटपाडी, पेरम्बूर होकर 04 अक्टूबर को 23.25 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होगी, पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन संख्या 03247 दानापुर-एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस वाया पेरंबूर, काटपाडी, जोलारपेटई 03 अक्टूबर को 15.00 बजे दानापुर से रवाना होने वाली पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन संख्या 03248 एसएमवीटी बेंगलूरु - दानापुर एक्सप्रेस जोलारपेट्टई, काटपाडी, पेरम्बूर होकर 05 अक्टूबर को 23.25 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होगी, पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन संख्या 03251 दानापुर-एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस वाया पेरांबूर, काटपाडी, जोलारपेटई 29 , 30 सितंबर और 06 अक्टूबर को 15.00 बजे दानापुर से रवाना होगी और पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन संख्या 03252 एसएमवीटी बेंगलूरु-दानापुर एक्सप्रेस जोलारपेट्टई, काटपाडी, पेरम्बूर के रास्ते 01 , 02 और 08 अक्टूबर को 23.50 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होगी, पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन संख्या 03259 दानापुर-एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस वाया पेरांबूर, काटपाडी, जोलारपेट्टई 01 अक्टूबर को 15.00 बजे दानापुर से रवाना होने वाली पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन संख्या 03260 एसएमवीटी बेंगलूरु-दानापुर एक्सप्रेस जोलारपेट्टई, काटपाडी, पेरम्बूर होकर 03 अक्टूबर को 23.50 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होगी, पूरी तरह से रद्द है।

30 सितंबर को 07.15 बजे केएसआर बेंगलूरु से निकलने वाली ट्रेन संख्या 06509 केएसआर बेंगलूरु-दानापुर हमसफर स्पेशल पूरी तरह से रद्द है।

2 अक्टूबर को 18.10 बजे दानापुर से निकलने वाली ट्रेन संख्या 06510 दानापुर-केएसआर बेंगलूरु हमसफर स्पेशल पूरी तरह से रद्द है।

कई ट्रेन सेवाओं को अपने निर्धारित मार्ग पर बदल कर अपने गंतव्य की ओर चलाया जा रहा है।

सवारी डिब्बा कारखाना

निविदा सूचना

निम्नलिखित ई-निविदा IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉगइन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैन्युअल कोटेशन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

क्र. सं.	निविदा सं.	खुली निविदा फाइल संदर्भ सं.	कार्य का नाम	मात्रा/अनुसूची विवरण	निविदा बंद होने/खुलने की तारीख और समय
01	2024471211568 –ओटी 19– बीबीएम	एमएस/सी/ओटी/19/बीबीएम/शेल/2024–25	बॉडी बोल्सटर का मशीनिंग	120 अदद	15.10.2024 15.00 बजे
02	2024471211567 –ओटी 20– बीएफएम	एमएस/सी/ओटी/20/बीएफएम/शेल/2024–25	बॉगी फ्रेम का मशीनिंग	200 अदद	15.10.2024 15.00 बजे

सवारी डिब्बा कारखाना

निविदा सूचना

निम्नलिखित ई-निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें और इन निविदाओं के लिए बोली लगाएं। इस निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

क्र. सं.	खुली निविदा सं.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	लगभग मूल्य रुपये में	निविदा बंद होने की तारीख व समय
01	2024377211574	आईसीएफ एस्टेट में सभी कॉलोनियों, शेल फैक्ट्री, एलएचबी क्षेत्र और एलएचबी प्रशासनिक भवन, कल्याण और सेवा भवनों सहित फर्निशिंग फैक्ट्री में मैनहोलफ निरीक्षण कक्षों और सीवर लाइनों से सफाई, गाद हटाने का संतुलन कार्य।	रुपये 11.93 लाख	25.10.2024 @ 10.30 बजे
02	2024377211575	एक वाहन पर लगे जेट रॉडिंग कम सक्शन लॉरी के लिए दो साल के लिए सेवा अनुबंध	रुपये 2.54 लाख	25.10.2024 @ 10.30 बजे

'मन की बात' कार्यक्रम का 114वां संस्करण

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को स्वच्छता, और वोकल फॉर लोकल का दिया संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 114वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी जयपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास पर आमजन के साथ प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुना।

अपने सम्बोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम के 3 अक्टूबर को 10 साल पूरे होने जा रहे हैं। इन 10 वर्षों में देश वासियों ने अपना प्यार और आशीर्वाद संदेशों के माध्यम से लगातार उन्हें भेजा है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के श्रोता ही इसके असली सूत्रधार हैं, जो देश की उपलब्धियों को गर्व से सुनते हैं।

मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि दृढ़ संकल्प के साथ जब सामूहिक भागीदारी का संगम होता है तो पूरे समाज के लिए अदभुत नतीजे सामने आते हैं। उन्होंने अभियान के तहत राजस्थान की उपलब्धियों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगस्त माह में ही 6 करोड़ से अधिक पौधे लगाकर राजस्थान ने जन भागीदारी का अनूठा उदाहरण पेश किया है। प्रधानमंत्री ने जलसंरक्षण का महत्व बताते हुए कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से जलसंकट से निपटने में बहुत मदद मिलती है।

उन्होंने उत्तर प्रदेश के झांसी, मध्य प्रदेश के रायपुरा एवं छतरपुर गांव का जिक्र किया जहां महिलाओं ने सामूहिक प्रयासों से वहां के तालाबों और नदियों को नया जीवन दिया।

मोदी ने कहा कि 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत अभियान के भी 10 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अवसर उन लोगों के अभिनंदन का है जिन्होंने इसे भारतीय इतिहास का इतना बड़ा जन-आंदोलन बना दिया। ये महात्मा गांधी जी को भी सच्ची श्रद्धांजलि है, जो जीवनपर्यंत, इस उद्देश्य के लिए समर्पित रहे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मेक इन इंडिया अभियान के इस महीने 10 साल पूरे हुए हैं। इस अभियान से गरीब, मध्यम वर्ग और लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों को बहुत फायदा मिल रहा है। मोदी ने स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने पर जोर देते हुए देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे आगामी त्योहारों के सीजन में तथा आम जीवन में भी स्थानीय उत्पाद ही खरीदें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब हम हमारी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करते है, तो दुनिया भी उसे सम्मान देती है। उन्होंने कहा कि उनकी अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिकी सरकार ने भारत को करीब 300 प्राचीन कलाकृतियों को वापस लौटाया है। जिनमें हजारों साल पुरानी, हाथी के दांत, लकड़ी, तांबा और कांसे जैसी चीजों से बनी कलाकृतियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में मातृ-भाषा को सहेजने, पारंपरिक जड़ी-बूटियों की उपयोगिता और रचनात्मकता पर भी बात की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वच्छ भारत, मेक इन इंडिया, एवं एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियानों के माध्यम से देशवासियों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का संदेश दिया है। शर्मा ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी अपने सकारात्मक एवं प्रेरणादायक विचारों से देशवासियों को सदैव प्रेरित करते हैं। इस दौरान जयपुर ग्रेटर नगर निगम के उपमहापौर पुनीत कर्णावट सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे।

जयपुर में साइकिल चलाकर हृदय स्वास्थ्य और स्वच्छता का दिया संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी एवं गुलाबी नगरी जयपुर में 'विश्व हृदय दिवस' पर रविवार सुबह लोगों ने साइकिल चलाकर हृदय स्वास्थ्य और स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर एयू जयपुर साइक्लोथॉन के जरिए साइकिलिंग फेस्टिवल का आयोजन किया गया। यह आयोजन हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने और स्वच्छता के महत्व को उजागर करने के उद्देश्य से जयपुर रनर्स क्लब, रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 और संस्कृति युवा संस्था द्वारा आयोजित किया गया। इसमें एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, इटरनल हॉस्पिटल एवं जयपुर नगर निगम का सहयोग भी शामिल रहा। इस साइक्लोथॉन में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट (आईआईइएमआर) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संस्कृति युवा संस्थान के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा, दीपक जैन, चीफ रिस्क ऑफिसर, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, एनएवी बैंक के एमडी अनिल अग्रवाल, एआरएल इंफ्राटेक लिमिटेड के एमडी प्रमोद जैन पहाड़िया, सिटी वाइब्स के चेयरमैन राजेश अग्रवाल, रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 की गर्वनर राखी गुप्ता, जेपीआईएस ग्रुप की निदेशक जयपेरिवाल व डॉ. संजीव शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे।

इस दौरान जयपुर रनर्स क्लब के फाउंडर रवि गोयनका, एयू जयपुर साइक्लोथॉन के आयोजक मुकेश मिश्रा, जयपुर रनर्स क्लब के अध्यक्ष प्रवीण तिजारिया, और डॉ. संजीव शर्मा सहित अन्य आयोजक समिति के सदस्य भी मौजूद थे। मुख्य अतिथि पंडित सुरेश मिश्रा ने कहा कि साइकिलिंग न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि यह हमें एक सक्रिय और फिट जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है। हमें अपने दिल की सेहत को प्राथमिकता देनी चाहिए और नियमित व्यायाम करना चाहिए।

डॉ. संजीव शर्मा ने बताया कि स्वस्थ हृदय के लिए तीन महत्वपूर्ण पैरामीटर हैं, हेल्दी डाइट, फिजिकल हेल्थ, और स्ट्रेस मैनेजमेंट। उन्होंने फिटनेस के प्रति जागरूकता और सही लाइफस्टाइल को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. शर्मा ने कहा कि वर्ल्ड हार्ट डे का आयोजन लोगों को हेल्थी लाइफस्टाइल के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से किया जाता है। इस बार 'यूज़ हार्ट फॉर एक्शन' थीम के तहत एयू जयपुर साइक्लोथॉन ने एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है कि सुबह की गतिविधियों में भाग लेकर हम सभी हेल्दी हार्ट के प्रति कदम बढ़ा सकते हैं।

एयू जयपुर साइक्लोथॉन के आयोजक मुकेश मिश्रा और जयपुर रनर्स क्लब के को फाउंडर रवि गोयनका ने बताया कि साइक्लोथॉन में विभिन्न राइड कैटेगरी रखी गई थी। इसमें दो किलोमीटर की जूनियर राइड, पांच किलोमीटर की जॉय राइड, 10 किलोमीटर की फन राइड, 25 किलोमीटर की फिट राइड, 50 किलोमीटर की टाइगर जगजीत सिंह मेमोरियल राइड, और 100 किमी की डी जयपुर राइड शामिल थीं। इन सभी राइड्स की शुरुआत गांधी सर्किल से शुरू होकर अपेक्स सर्किल, डी-मार्ट, अक्षय पात्र जंक्शन और बॉम्बे हॉस्पिटल होते हुए पुन: गांधी सर्किल पहुंचे। राइड के दौरान, प्रतिभागियों ने अपने हुनर और ऊर्जा का शानदार प्रदर्शन किया।

इस आयोजन ने न केवल फिटनेस को बढ़ावा दिया बल्कि शहरवासियों को एकजुट करने का भी कार्य किया, जिससे हर उम्र के साइकिल प्रेमियों ने अपनी प्रतिभा का जश्न मनाया। इस दौरान सभी उम्र के प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कुछ प्रतिभागियों ने तो केवल दो घंटे से भी कम समय में 100 किमी की राइड पूरी की, जो उनकी उत्कृष्ट फिटनेस और समर्पण को दर्शाता है। दीपक शर्मा ने इस अनुभव के बारे में कहा, 100 किमी की डी जयपुर राइड एक जॉयफुल एक्सपीरियंस है, जो जयपुर के लोगों को एक साथ लेकर आती है। यह न केवल शारीरिक क्षमता की परीक्षा है।

तेंदुए के हमले में बुजुर्ग महिला की मौत

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले के गोगुंदा थाना क्षेत्र में शनिवार को संदिग्ध रूप से तेंदुए के हमले में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार गट्टू बाई (65) अपने घर पर अकेली थी। जब शाम को उनके पति काम से घर लौटे तो उन्हें वह नहीं मिली। उन्होंने गांव वालों को सूचना दी। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों को जंगल में बुजुर्ग महिला की साड़ी के टुकड़े, कुछ गहने और खून के निशान जंगल में मिले और कुछ दूरी पर महिला का क्षत-विक्षत शव मिला।

वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही यह पता चलेगा कि महिला की मौत जानवर के हमले से हुई थी या नहीं।

रैली

जयपुर में रविवार को युवा शक्ति मंच राजस्थान के सदस्य रामगंज बाजार में हिंदू राष्ट्र की स्थापना, समान नागरिक संहिता के क्रियान्वयन और जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर रैली निकालते हुए।

लॉरेंस बिश्नोई साक्षात्कार मामले में प्राथमिकी दर्ज

जयपुर। जयपुर पुलिस ने एक समाचार चैनल पर पिछले साल मार्च में प्रसारित कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के साक्षात्कार के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की है। जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद जयपुर में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पंजाब पुलिस ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। पुलिस उपायुक्त-जयपुर (पूर्व) तेजस्विनी गौतम ने बताया कि पंजाब पुलिस की एसआईटी ने पाया कि साक्षात्कार के समय बिश्नोई जयपुर जेल में था। जयपुर केंद्रीय कारागार लालकोठी थाने के क्षेत्राधिकार में आता है और इसलिए मामला यहीं दर्ज किया गया। गांधी नगर के सहायक पुलिस आयुक्त नारायण कुमार बाजिया ने बताया कि शुक्रवार को मामला दर्ज किया गया। अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी और सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। साक्षात्कार प्रसारित होने के बाद जयपुर के तत्कालीन पुलिस आयुक्त आनंद श्रीवास्तव ने दावा किया था कि बिश्नोई ने जयपुर में रहते हुए कोई साक्षात्कार नहीं दिया।

पुरानी रंजिश के चलते तीन बच्चों पर चढ़ाया ट्रैक्टर, एक की मौत, दो घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। भरतपुर के कुम्हेर थाना क्षेत्र के गांव जया में 28 सितंबर को पुरानी रंजिश के चलते एक व्यक्ति ने तीन मासूम बच्चों पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया, जिसमें एक बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना उस वक्त हुई जब बच्चे अपने घर के दरवाजे पर खेल रहे थे। संजय, पुत्र बच्चू सिंह, ने बताया कि गांव का राजेंद्र उनके परिवार से मजदूरी करवाना चाहता था, लेकिन उनके इनकार करने पर वह नाराज हो गया और पुरानी रंजिश के चलते धमकी देता था। घटना से कुछ दिन पहले राजेंद्र ने संजय को जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर धमकाया था कि वह उन्हें ट्रैक्टर से कुचलकर मार डालेगा। 28 सितंबर की सुबह, राजेंद्र के चचेरे भाई का बेटा पंकज ट्रैक्टर लेकर गांव में आया और बच्चों को देखकर जानबूझकर उन पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया।

घायलों को तुरंत कुम्हेर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से गंभीर स्थिति में तीनों बच्चों को भरतपुर के जिला आरबीएम अस्पताल रैफर कर दिया गया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने रोहन को मृत घोषित कर दिया, जबकि कान्हा के पैर में फैक्चर है और तीसरे बच्चे नवजीत को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना के बाद जाटव समाज के लोग बड़ी संख्या में आरबीएम हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर इकट्ठे हो गए और आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, तब तक मृतक का पोस्टमार्टम नहीं कराया जाएगा।

कुम्हेर थाना प्रभारी बनवारी लाल ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित परिवार की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और पीड़ित परिवार से समझाइश की जा रही है ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके।

चार दिवसीय ग्लोबल सम्मिट का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी उद्घाटन, तीन अक्टूबर को पहुंचेंगी आबूरोड

जयपुर। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मुख्यालय शांतिवन में आयोजित चार दिवसीय ग्लोबल सम्मिट का 4 अक्टूबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उद्घाटन करेंगी। राष्ट्रपति विशेष विमान से 3 अक्टूबर को शाम को शांतिवन पहुंचेंगी, जहां रात्रि विश्राम के बाद 4 अक्टूबर को सुबह 10 बजे ग्लोबल सम्मिट का विधिवत शुभारंभ करेंगी। 'आध्यात्मिकता द्वारा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज' विषय पर आयोजित इस समिट में देश-विदेश से अपने-अपने क्षेत्रों की जानीं-मानीं हस्तियां भाग लेंगी।

सम्मिट के संयोजक व संस्थान के कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मुख्यालय में ग्लोबल समिट आयोजित की जा रही है। इसमें देशभर से धर्म, अध्यात्म, शिक्षा, राजनीति, व्यापार और मीडिया जगत की दिग्गज हस्तियां भाग लेंगी। 4 अक्टूबर को सुबह 10 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मिट का शुभारंभ किया जाएगा। दो सत्रों में समिट में कुल आठ सत्र आयोजित किए जाएंगे। वहीं रात में देशभर से आए कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। सम्मिट को लेकर जल्द ही तैयारियां शुरू की जाएंगी। कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय ने बताया कि राष्ट्रपति बनने के बाद मुर्मू पहली बार 3 जनवरी 2023 को शांतिवन पहुंचीं थीं, जहां उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित आध्यात्मिकता से स्वर्णिम भारत का उदय कार्यक्रम में भाग लिया था।

तीन चरणों में होगा पशु चिकित्सा अधिकारियों का प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन विभाग द्वारा नवनियुक्त पशु चिकित्सा अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 सितंबर से प्रारंभ किया जा रहा है। सोमवार को टोंक रोड स्थित पशुधन भवन में दोपहर 3:00 बजे पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ समित शर्मा इस प्रशिक्षण का ऑनलाइन शुभारंभ करेंगे। विभाग के शासन सचिव ने बताया कि चिकित्सा अधिकारियों को क्लीनिकल प्रशिक्षण और राज्य सेवा के विभिन्न आवश्यक राजकीय नियम, प्रोक्योरमेंट नियम तथा विभाग की प्रमुख योजनाओं आदि के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है साथ ही सर्जिकल प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी बहुत जरूरी है।

उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा। पहला चरण 23 दिवस का होगा जिसमें उन्हें सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें 30 सितंबर से 22 अक्टूबर तक प्रतिदिन दो घंटे का ऑनलाइन सेशन होगा जिसमें विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ अपना व्याख्यान देंगे। शासन सचिव ने बताया कि इस प्रशिक्षण के बाद उन्हें लगभग चार सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा जिसमें प्रत्येक नवनियुक्त पशु चिकित्सा अधिकारी अपने निकटतम पॉलीक्लिनिक अथवा प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय में विभिन्न प्रकार की आवश्यक सर्जिकल प्रक्रियाओं में हैंड्स ऑन ट्रेनिंग प्राप्त कर सकेंगे। दोनों प्रशिक्षणों में प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण का तीसरा चरण जयपुर में आयोजित होगा, जहां सभी पशु चिकित्सा अधिकारियों को अपने अनुभव साझा करने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला में बुलाया जाएगा। इस कार्यशाला में उनका लिखित और मौखिक मूल्यांकन भी किया जाएगा। अंतिम दिन उन्हें वेटरिनेरियंस ओथ दिलाई जाएगी। शासन सचिव ने कहा कि सभी पशु चिकित्सा अधिकारी अपने प्रशिक्षण को गंभीरता से लेते हुए अपने ज्ञान और कौशल में अभिवृद्धि करेंगे। भविष्य में यह सभी पशु चिकित्सा अधिकारी विभाग के लिए मूल्यवान साबित होंगे और विभागीय योजनाओं की क्रियान्विति एवं अपनी सेवाएं प्रदान करने में अपना श्रेष्ठतम योगदान देंगे।

बांस की खेती बदल सकती है पश्चिमी राजस्थान की तस्वीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान में रेगिस्तान के शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र में बांस की खेती का प्रयोग सफल रहा तो पश्चिमी राजस्थान की तस्वीर बदल सकती है। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में कृषि वैज्ञानिकों ने रेगिस्तानी क्षेत्र में बांस की खेती की संभावनायें तलाशते हुए प्रयोग के तौर पर ढाई महीने पहले बांस की 11 विभिन्न प्रजातियों के करीब 200 पौधे लगाए। इसके शुरुआती नतीजे उत्साहर्वद्धक मिले हैं, बांस के पौधों के आकार में अच्छी वृद्धि देखी जा रही है।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने रविवार को बताया कि कृषि महाविद्यालय बीकानेर ने राष्ट्रीय बांस अभियान के तहत शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र के लिए 'बांस एक प्रारंभिक प्रयास' परियोजना केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय को भेजी थी। इस परियोजना का भारत सरकार से अनुमोदन मिलने पर गुजरात के नवसारी कृषि विश्वविद्यालय और देहरादून के भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान से बांस की 11 विभिन्न प्रजातियों के करीब 200 पौधे मंगवाकर यहां लगाये गये।

उन्होंने बताया कि कुल 47 लाख रुपये की बांस परियोजना का उद्देश्य पश्चिमी राजस्थान की शुष्क जलवायु में बांस की वृद्धि और उत्पादन का अध्ययन करना है। साथ ही शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र में उपयुक्त बांस प्रजातियों की पहचान करना है जो इस क्षेत्र की जलवायु एवं मृदा के उपयुक्त हो। यह भी देखा जाएगा कि पौधों के बीच आपसी दूरी कितनी रखी जाए कि पौधे में अधिक से अधिक वृद्धि हो और किसान की आय बढ़े।

डॉ अरुण कुमार ने बताया कि बांस की खेती किसानों को आर्थिक दृष्टि से भी फायदेमंद रहेगी। बांस से हस्तशिल्प (चटाई, टोकरी, उपकरण, खिलौने एवं बर्तन) का सामान और फर्नीचर आदि बनाये जाते हैं। इसके उत्पादों में मूल्य संवर्धन से किसानों को अतिरिक्त आय होगी। उन्होंने बताया कि बांस पर्यावरण प्रदूषण को भी कम करता है। साथ ही जल स्तर बढ़ाने में सहायक है। मिट्टी की जल धारण क्षमता भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि बांस की खेती भविष्य में पश्चिमी

राजस्थान के किसानों की आर्थिक उन्नति का कारण बनेगी। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता और उद्यान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ पीके यादव ने बताया कि बांस की खेती राजस्थान के लिए नयी नहीं है। बांसवाड़ा में बांस की खेती पहले से होती आ रही है, लेकिन पश्चिमी राजस्थान की शुष्क जलवायु और कम पानी में बांस की कौनसी प्रजाति आसानी से उगाई जा सकती है, इसकी संभावनायें तलाशी जा रही हैं। शुष्क क्षेत्र में बांस जैसी नयी फसल स्थापित होने से किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकेगी। डॉ यादव ने बताया कि बांस एक बहूपयोगी, मजबूत, नवीकरणीय और पर्यावरणानुकूल और पृथ्वी पर सबसे तेजी से बढ़ने वाला काष्ठीय पौधा है। पूरे जीवन में यह 25 मीटर या उससे अधिक की लंबाई तक बढ़ता है। बांस को हर वर्ष पुनः लगाने की आवश्यकता नहीं होती। तीन से पांच वर्ष के चक्र में स्थायी रूप से काटा जा सकता है। बांस अविकसित और खराब भूमि, ऊँचे भूभाग, खेत की मेड़ों एवं नदी किनारों पर भी उगाया जा सकता है और इसकी फसल में कम पानी की जरूरत पड़ती है। कृषि विश्वविद्यालय में भी बूंद बूंद सिंचाई प्रणाली के जरिए इसमें सिंचाई की जा रही है।

उन्होंने बताया कि तीन वर्षीय कार्ययोजना के तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाली बांस प्रजाति का चयन और उनका नर्सरी में बड़े पैमाने पर गुणन किया जाएगा। साथ ही किसानों एवं अन्य हितधारकों को प्रशिक्षण, किसानों के खेत में बांस का प्रदर्शन इकाई स्थापित करना और बेहतर प्रदर्शन करने वाली बांस प्रजातियों का किसानों के खेत में रोपण किया जाएगा। डा. यादव ने बताया कि बांस के उत्पादन में असम देश का सबसे बड़ा बांस उत्पादक राज्य है। चीन के बाद भारत बांस का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। राजस्थान में इसका उत्पादन उदयपुर जिले में होता है। असम में बांस प्रौद्योगिकी पार्क भी है।

भाजपा नेता के पुत्र ने की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर के अरावली विहार थाना क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता राजेंद्र सैनी के 22 वर्षीय पुत्र ने अज्ञात कारणों के चलते घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अरावली विहार थाने के पुलिस उपनिरीक्षक रामस्वरूप ने रविवार को बताया कि सुबह साढ़े सात बजे अरावली विहार थाने पर सूचना मिली कि सौनावा डूंगरी निवासी भाजपा नेता राजेंद्र सैनी के पुत्र गौरव ने आत्महत्या कर ली। इस घटना के चलते केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का रविवार को होने वाले कार्यक्रम निरस्त कर दिए गए।

इस घटना के बाद वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा और पार्टी कार्यकर्ता जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया। फिलहाल पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में झांसी की महिलाओं को सराहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झांसी/लखनऊ/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में घूरारी नदी को नया जीवन देने के लिए झांसी जिले की महिलाओं के उल्लेखनीय जल संरक्षण के प्रयासों की सराहना की।

घूरारी नदी को नया जीवन देने और पानी की बर्बादी रोकने के लिए झांसी की महिलाओं की प्रशंसा करते हुए मोदी ने कहा कि यह देश के जल संकट को दूर करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी में विशेष रूप से पानी की कमी वाले बुंदेलखंड क्षेत्र में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं के प्रयासों को मान्यता देने के लिए मोदी को धन्यवाद दिया।

बयान में कहा गया कि इन महिलाओं ने 'जल सहेली' के रूप में घूरारी नदी को पुनर्जीवित करने के अभियान का नेतृत्व किया। इन महिलाओं ने मृतप्राय हो चुकी घुरारी नदी को जिस तरह से बचाया है, उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। बयान के मुताबिक महिलाओं ने बोरियों में बालू भरकर 'चेकडैम' (छोटा बांध) तैयार किया, बारिश का पानी बर्बाद होने से रोका और नदी को पानी से लबालब कर दिया। इससे इस क्षेत्र के लोगों की पानी की समस्या तो दूर हुई ही, उनके चेहरे पर खुशियां भी लौट आईं। उन्होंने कहा कि कहीं नारी शक्ति जल शक्ति को बढ़ाती है तो कहीं जल शक्ति भी नारी शक्ति को मजबूत करती है।

उल्लेखनीय है कि झांसी के बबीना विकास खंड के सिमरावारी गांव में जल सहेलियों ने यह अनोखी पहल की थी। उन्होंने घुरारी नदी को पुनर्जीवित करने के लिए छह दिनों तक श्रमदान किया। बोरियों में बालू भरकर नदी का पानी रोक कर जलाशय बनाया और नदी को पानी से लबालब कर दिया।

जल सहेलियों ने केवल एक नदी के पुनर्जीवन का काम ही नहीं किया है, बल्कि इससे उन्होंने समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश भी दिया है। नदी में रोके गए पानी से स्थानीय लोगों को नहाने और जानवरों को पीने का पानी उपलब्ध हो रहा है। बयान में कहा गया कि झांसी ही नहीं, पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र में योगी सरकार ने जल संरक्षण के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किए हैं और तमाम चुनौतियों को पीछे छोड़ते हुए विंध्य और बुंदेलखंड के ज्यादातर परिवारों को पानी के कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं।

श्रोता ही हैं 'मन की बात' के असली सूत्रधार, सकारात्मक बातें लोगों को पसंद हैं

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रोताओं को 'मन की बात' कार्यक्रम का असली 'सूत्रधार' करार देते हुए रविवार को कहा कि इस रेडियो कार्यक्रम ने साबित किया है कि देश के लोगों में सकारात्मक जानकारी की कितनी भूख है और सकारात्मक बातें एवं प्रेरणादायी उदाहरण उन्हें बहुत पसंद आते हैं। आकाशवाणी के इस मासिक रेडियो कार्यक्रम की 114वीं कड़ी को संबोधित करते हुए मोदी ने जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता अभियान के महत्व को भी रेखांकित किया और लोगों से इसमें भाग लेने का आह्वान किया। 'मन की बात' की इस कड़ी के साथ ही इसके 10 वर्ष पूरे होने का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि इस कार्यक्रम की लंबी यात्रा में ऐसे कई पड़ाव आए जिन्हें वह कभी भूल नहीं सकते। उन्होंने कहा, ''हमारी इस यात्रा के कई ऐसे साथी हैं जिनका हमें निरंतर सहयोग मिलता रहा है। देश के कोने-कोने से उन्होंने जानकारियां उपलब्ध कराईं। 'मन की बात' के श्रोता ही इस कार्यक्रम के असली सूत्रधार हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि आमतौर पर एक धारणा ऐसी गढ़ी गई है कि जब तक किसी कार्यक्रम में चटपटी और नकारात्मक बातें ना हों तब तक उसे ज्यादा तवज्जो नहीं मिल पाती। उन्होंने कहा, ''लेकिन मन की बात ने साबित किया है कि देश के लोगों में सकारात्मक जानकारी की कितनी भूख है। सकारात्मक बातें एवं प्रेरणादायी उदाहरण लोगों को बहुत पसंद आते हैं।''

बाघ ने किया किसान पर हमला, गंभीर रूप से घायल

लखीमपुर खीरी/भाषा। उत्तर प्रदेश में लखीमपुर खीरी जिले के दक्षिण खीरी वन प्रभाग के महेशपुर में रविवार को गन्ने के खेत में छिपे एक बाघ ने 40 वर्षीय एक किसान पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि भदैया गांव का निवासी तेजपाल अपने गन्ने की फसल की देखभाल करने के लिए खेतों में गया था तभी बाघ ने उस पर हमला कर दिया। इस घटना में तेजपाल के सिर और चेहरे पर गहरी चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि पास-पड़ोस के खेतों में काम कर रहे किसानों ने शोर मचाकर बाघ को भगाया और घायल व्यक्ति को बचाया तथा उसे पास में ही स्थित गोला स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां प्रारंभिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) संजय बिस्वाल ने व्यक्ति पर बाघ के हमले की पुष्टि की और कहा कि शख्स का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। बिस्वाल ने बताया कि उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) से बात की है जिन्होंने कहा है कि शख्स की हालत गंभीर है, लेकिन खतरे से बाहर है। बिस्वाल ने कहा कि रविवार को भदैया गांव में हमला करने वाला बाघ महेशपुर रेंज में 27 अगस्त और 11 सितंबर को दो लोगों की मौत का कारण बनने वाला बाघ नहीं है।

लोजपा के गठबंधन के साथ या अकेले झारखंड चुनाव लड़ने पर विचार जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। केंद्रीय मंत्री एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ेगी और गठबंधन में या अकेले चुनाव लड़ने सहित सभी विकल्पों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है।

पासवान ने यह बयान ऐसे समय दिया है जब एक दिन पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को घोषणा की थी कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों 'ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन' (आजसू) और जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) के साथ मिलकर लड़ेगी।

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री ने धनबाद जाते समय रांची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''लोजपा की प्रदेश इकाई गठबंधन या अकेले चुनाव लड़ने सहित सभी विकल्पों पर विचार-विमर्श कर रही है...।''

लोजपा (रामविलास) केंद्र में भाजपा-नीत राजग सरकार का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि झारखंड में पार्टी का मजबूत जनाधार है।

पासवान ने कहा, ''जब मेरा जन्म हुआ, तब झारखंड एकीकृत बिहार का हिस्सा था। यह मेरे पिता की कर्मभूमि रहा है। पार्टी ने राज्य में मजबूत जनाधार बनाया है। ऐसे में यह निर्णय लिया गया है कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगी।'' केंद्रीय मंत्री ने धनबाद में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पार्टी चुनाव की तैयारियों में जुट गई है और जल्द ही अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करेगी।

असम के मुख्यमंत्री ने शनिवार को कहा था, ''भाजपा, आजसू और जद(यू) के साथ मिलकर झारखंड चुनाव लड़ेगी। सहयोगियों के साथ 99 प्रतिशत सीट पर सहमति बन गई है। बाकी की एक या दो सीट के लिए बातचीत जारी है और इन पर जल्द ही फैसला लिया जाएगा।'' शर्मा ने कहा कि इस संबंध में औपचारिक घोषणा 'पितृ पक्ष' के बाद की जाएगी जो दो अक्टूबर को समाप्त हो रहा है।

धनबाद के नेहरू स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में एक रैली को संबोधित करते हुए पासवान ने कहा, ''मैंने पहली बार देखा है कि झारखंड में किसी मुख्यमंत्री को भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाना पड़ा है।'' उन्होंने दावा किया कि झारखंड के युवाओं और छात्रों को बेहतर अवसरों के लिए देश के अन्य हिस्सों में पलायन करना पड़ता है।

पासवान ने कहा कि आगामी चुनाव जाति, पंथ या धर्म की लड़ाई नहीं है, बल्कि विकसित झारखंड की लड़ाई है।

झारखंड में 81-सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव इस साल के अंत में प्रस्तावित है।

नीतीश कुमार सरकार 'चार सेवानिवृत्त नौकरशाह' चला रहे हैं : प्रशांत किशोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राजनीतिक रणनीतिकार से सियासतदां बने प्रशांत किशोर ने रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला करते हुए उनपर चार सेवानिवृत्त नौकरशाहों के माध्यम अपनी सरकार चलाने का आरोप लगाया।

अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी गठित करने से तीन दिन पहले यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए किशोर ने जद(यू) अध्यक्ष कुमार को सत्ता से हटाने का संकल्प लिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव 'तीन एस' यानी 'शराब', 'सर्वे' (भूमि) और 'स्मार्ट मीटर' के मुद्दे पर लड़ा जाएगा। किशोर ने कहा कि ये मुद्दे मौजूदा शासन के ताबूत में अंतिम कील साबित होंगे।

किशोर ने आरोप लगाया, नीतीश कुमार सरकार चार सेवानिवृत्त नौकरशाहों द्वारा चलाई जा रही है। मुख्यमंत्री इन बाबुओं के चंगुल में हैं। न तो कुमार और न ही ये नौकरशाह लोगों की समस्याओं से अवगत हैं। कुमार अब बदल गए हैं। उन्होंने अपनी नैतिकता खो दी है और वह केवल मुख्यमंत्री की कुर्सी को बचाए रखने में रुचि रखते हैं। उनकी 'जन सुराज' पहल दो अक्टूबर को एक राजनीतिक पार्टी बन जाएगी।

किशोर ने कहा, जब हम 2025 के विधानसभा चुनाव के बाद बिहार में सरकार बनाएंगे, तो हम एक घंटे के भीतर शराबबंदी खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा, शराबबंदी सिर्फ कागजों में है। ज़मीनी हकीकत यह है कि शराब की दुकानों को बंद कर दिया गया है, लेकिन 'होम डिलीवरी' धड़ल्ले से चल रही है।

किशोर ने कहा कि जन सुराज शुरू से ही शराबबंदी के खिलाफ रहा है, क्योंकि राज्य में मौजूदा शराबबंदी कानून 'फर्जी' है... हर साल 20,000 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

गाजीपुर में गांजा वाले बयान पर

सांसद अफजाल अंसारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

गाजीपुर (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अफजाल अंसारी के खिलाफ गांजा पर कानून बनाने संबंधी बयान देने के मामले में रविवार को प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार सपा सांसद के खिलाफ उस बयान के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई, जिसमें उन्होंने 'गांजा' से संबंधित कानून बनाने की वकालत की थी और कहा था कि कुंभ मेले के दौरान एक पूरी मालगाड़ी भी अपर्याप्त साबित होगी।

गाजीपुर कोतवाली थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) दीनदयाल पांडेय ने बताया कि गोरा बाजार पुलिस चौकी प्रभारी राजकुमार शुक्ला ने गाजीपुर थाने में सपा सांसद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353(3) (सार्वजनिक उपद्रव के लिए उकसाने वाला बयान) के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है।

अंसारी ने हाल ही में एक बयान में 'गांजा' के बारे में बात की थी, जिसमें उन्होंने कहा था चूंकि बहुत से लोग इसका सेवन करते हैं, इसलिए इसके लिए कानून होना चाहिए और इसे कानूनी दर्जा दिया जाना चाहिए।

उन्होंने यहां तक कहा कि कुंभ मेले के दौरान एक मालगाड़ी का पूरा माल भी कम पड़ जाएगा और यह भी कहा कि धार्मिक आयोजनों और त्योहारों के दौरान इसका इस्तेमाल किया जाता है, जहां इसे प्रसाद माना जाता है।

इंटरनेट सेवा बंद होने के बीच

असम में तृतीय श्रेणी के पदों पर भर्ती के लिए हुई लिखित परीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम सरकार में तृतीय श्रेणी के पदों पर भर्ती के लिए रविवार को लिखित परीक्षा, व्यापक इंतजामों और मोबाइल इंटरनेट सेवा आठ घंटे के लिए बंद किए जाने के बीच राज्य भर में आयोजित की गयी।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कुल 7,34,080 उम्मीदवार असम सीधी भर्ती परीक्षा (एडीआरई) के दूसरे चरण के लिए पात्र हैं। ये परीक्षा स्नातक डिग्री स्तर और एचएसएलसी स्तर के पदों के लिए आयोजित की गयी।

यह दूसरी बार है जब तृतीय श्रेणी के पदों पर भर्ती के लिए आयोजित लिखित परीक्षा के दौरान गड़बड़ी रोकने के लिए सितंबर में राज्य में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद की गई हैं। सूत्रों ने बताया कि दो सत्रों में आयोजित परीक्षा सुचारू एवं शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई।

परीक्षा शुरू होने से कई घंटे पहले अभ्यर्थी परीक्षा केंद्रों के बाहर कतारों में खड़े हो गए और राज्य स्तरीय भर्ती आयोग (एसएलआरसी) के दिशा-निर्देशों के अनुसार उनकी गहन तलाशी ली गई।

अधिकारियों द्वारा की गई व्यवस्थाओं के अतिरिक्त, अभ्यर्थियों को परीक्षा के सुचारू एवं पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए अनेक निर्देश दिए गए।

अभ्यर्थियों से कहा गया था कि वे परीक्षा केंद्र का स्थान पहले से सुनिश्चित कर लें तथा परीक्षा शुरू होने से कम से कम डेढ़ घंटे पहले वहां पहुंच जाएं।

गृह एवं राजनीतिक विभाग ने अभ्यर्थियों की तलाशी के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है।

यह एसओपी परीक्षा के पहले चरण के दौरान महिला अभ्यर्थियों की अनुचित तलाशी के आरोपों के बाद जारी की गई है, जिसमें कई महिलाओं ने दावा किया था कि महिला सुरक्षाकर्मियों ने उनके निजी अंगों को अनुचित तरीके से छुआ था।

महिला अभ्यर्थियों के लिए अलग से घेरा बनाया गया था तथा तलाशी क्षेत्र के पास एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका या आशा कार्यकर्ता मौजूद थीं।

अनुचित तलाशी के मामले में, उम्मीदवारों को तुरंत केंद्र प्रभारी को रिपोर्ट करने के लिए कहा गया। तेजी से तलाशी के लिए, उम्मीदवारों को आधी आस्तीन के कपड़े और जूते के बजाय चप्पल पहनने की सलाह दी गई थी।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में शनिवार को कहा गया कि मोबाइल इंटरनेट/मोबाइल डेटा/मोबाइल वाई-फाई कनेक्टिविटी सुबह 8.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक बंद रहेगी।

तृतीय श्रेणी के पदों के लिए राज्य-स्तरीय भर्ती आयोग के सचिव द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया, ''सभी से अनुरोध है कि वे स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती परीक्षा आयोजित करने एवं राज्य के युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए इस असुविधा को बर्दाश्त करें।''

तृतीय श्रेणी के रिक्त पदों के लिए लिखित परीक्षा के पहले चरण के आयोजन के समय 15 सितंबर को साढ़े तीन घंटे तक मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद रहीं।

हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में विफल हो गई हैं राहुल गांधी की गारंटी : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को हरियाणा में कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी की चुनावी गारंटियां हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों में विफल हो गई हैं, जहां कांग्रेस सत्ता में है।

शाह ने गुरुग्राम के बादशाहपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव के समय कांग्रेस बड़े-बड़े वादे करती है लेकिन वे हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में अपने चुनावी वादे पूरे नहीं कर पाए। शाह ने कहा, ''राहुल गांधी की गारंटियां नाकाम हो गईं।''

दूसरी ओर, केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि भाजपा ऐसा कोई वादा नहीं करती जिसे पूरा न किया जा सके। उन्होंने कहा, ''राहुल बाबा एंड कंपनी विकास नहीं कर सकती'' और 'डबल इंजन' वाली सरकार ही हरियाणा का विकास सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा, ''हम देश की सीमा को सुरक्षित रखेंगे, आरक्षण की रक्षा करेंगे और अनुच्छेद 370 को कभी वापस नहीं आने देंगे।''

वक्फ विधेयक का उल्लेख करते हुए शाह ने रैली में कहा, ''आपको वक्फ बोर्ड पर मौजूदा विधान से समस्या है... हम संसद के शीतकालीन सत्र में इसमें संशोधन करेंगे।''

पिछले महीने कई विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया था कि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना है और कहा था कि वे इसका कड़ा विरोध करेंगे।

बादशाहपुर से राव नरबीर सिंह सहित गुरुग्राम क्षेत्र में पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हुए शाह ने कहा कि सेना में हर 10वां सैनिक हरियाणा से आता है।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा कि इंदिरा गांधी से लेकर मनमोहन सिंह तक कांग्रेस ने वन रैंक वन पेंशन की मांग पूरी नहीं की और नरेन्द्र मोदी सरकार ने 2015 में वन रैंक वन पेंशन दी।

अग्निपथ योजना को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए शाह ने राहुल गांधी को ''झूठ बोलने की मशीन'' बताया और आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने दावा किया है कि अग्निवीरों को नौकरी नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि अग्निवीर योजना सशस्त्र बलों को युवा बनाये रखने के लिए शुरू की गई है। कांग्रेस द्वारा इस मुद्दे पर लगातार भाजपा पर निशाना साधे जाने के बीच शाह ने जनसभा में कहा, ''अपने बच्चों को सेना में भेजने में संकोच न करें।

आईओए ईसी के सदस्यों का ध्यान खुद के फायदे और वित्तीय लाभ लेने पर: उषा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को 'अपने तरीके' से चलाने का आरोप लगाते हुए अध्यक्ष पीटी उषा ने रविवार को कार्यकारी परिषद (ईसी) में बगावत करने वाले सदस्यों पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि उनका मकसद देश के खेल की भलाई करने की जगह 'खुद के फायदे और मौद्रिक लाभ' लेने पर है।

उषा ने यहां एक आधिकारिक विज्ञप्ति में आरोप लगाया कि ''इनमें से कुछ ईसी सदस्यों का ट्रैक रिकॉर्ड बेहद संदिग्ध है। इसमें लैंगिक भेदभाव के आरोप और यहां तक कि उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले भी दर्ज हैं।'' उन्होंने कहा, ''भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एक खिलाड़ी के रूप में अपने 45 साल लंबे करियर में मैंने कभी ऐसे लोगों का सामना नहीं किया है जो हमारे खिलाड़ियों की आकांक्षाओं और हमारे देश के खेल भविष्य के प्रति इतने उदासीन हैं। इन व्यक्तियों का पूरा ध्यान खेल प्रशासन में उनकी लंबे समय तक उपस्थिति और नियंत्रण के माध्यम से खुद के फायदे और मौद्रिक लाभ लेने पर रहता है।''

इस पूर्व दिग्गज एथलीट ने बिना किसी का नाम लिए कहा, ''इसके अलावा यह बताना भी जरूरी है कि इनमें से कुछ ईसी सदस्यों के ट्रैक रिकॉर्ड बेहद संदिग्ध हैं। उन पर लैंगिक पूर्वाग्रह के आरोप हैं। यहां तक कि उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले भी दर्ज हैं।''

कार्यकारी परिषद के 12 सदस्यों ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सीनियर अधिकारी जेरोम पोइवे को पत्र लिखकर इस दिग्गज एथलीट पर तानाशाही से काम करने का आरोप लगाया।

भारतीय सैनिक के शहीद होने पर मुफ्ती को दुख नहीं होता : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हिज्बुल्ला नेता हसन नसरल्ला की हत्या को लेकर चुनाव प्रचार रद्द करने के लिए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती की रविवार को आलोचना की और कहा कि जब देश की सीमा पर कोई भारतीय सैनिक शहीद होता है तो उन्हें दुख नहीं होता।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की यह प्रतिक्रिया मुफ्ती की उस घोषणा के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह लेबनान और गाजा के शहीदों, विशेषकर हसन नसरल्ला के प्रति एकजुटता दिखाते हुए रविवार को अपना चुनाव अभियान रद्द करने जा रही हैं। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, जब सीमा पर कोई भारतीय सैनिक शहीद होता है तो महबूबा मुफ्ती को दुख नहीं होता। लेकिन अगर लेबनान में कोई नसरल्ला मरता है तो उन्हें बहुत दुख होता है। वह किस तरह का संदेश देना चाहती हैं। हालांकि हुसैन ने कहा कि भारत भी दुनिया में शांति चाहता है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपील कर रहे हैं कि युद्ध खत्म होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी शांति की अपील की थी।

धोनी बने 'अनकैप्ड' खिलाड़ी

बेंगलूरु/भाषा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की संचालन परिषद में शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने फैसला किया कि जिन भारतीय खिलाड़ियों ने कम से कम पांच कैलेंडर वर्ष में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है, उन्हें 'अनकैप्ड' खिलाड़ी माना जायेगा।

हालांकि माना जा रहा है कि यह कदम इसलिए उठाया गया ताकि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) अपने स्टार क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को रिटेन कर सके जो आखिरी बार 2019 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल में देश के लिए खेले थे।

बीसीसीआई की विज्ञप्ति के अनुसार, ''अगर कोई भारतीय खिलाड़ी संबंधित सत्र के आयोजन से पहले पिछले पांच कैलेंडर वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट (टेस्ट मैच, वनडे, ट्वेंटी 20 अंतरराष्ट्रीय) में शुरुआती एकादश में नहीं खेला है या उसके पास बीसीसीआई का केंद्रीय अनुबंध नहीं है तो एक 'कैप्ड' (अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाला) भारतीय खिलाड़ी 'अनकैप्ड' (जिसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला हो) हो जाएगा।

सुविचार

बेवजह मुस्कुराओ कल की चिंता की आड़ में, आज की खुशी का गला मत घोटो!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हानिया, नसरुल्लाह ...?

लेबनान में 'पेजरकांड' के बाद हिज्बुल्लाह के प्रमुख हसन नसरुल्लाह का खात्मा इजराइल की खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों के लिए बहुत बड़ी कामयाबी है। सालभर पहले जब हमास ने इजराइल पर अचानक हमला बोला था, तब यह तो माना जा रहा था कि इजराइल अपने नागरिकों की रक्षा करने के लिए बड़ी कार्रवाई करेगा, लेकिन वह इस हद तक जाएगा, इसकी उम्मीद कम ही थी। उसने हमास और हिज्बुल्लाह के कई लड़ाकों को मार गिराया। इसी दौरान हमास के राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख इस्माइल हानिया का खात्मा कर दिया। पेजरकांड के बाद यह शक जताया जाने लगा है कि ईरान के तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी जिस हेलीकॉप्टर हादसे के शिकार हुए, उसमें भी 'पेजर' की भूमिका हो सकती है! बीते एक साल में इजराइल जिस तरह से अपने 'शत्रुओं' तक पहुंचने में सफल रहा है, उससे यह बात खुलकर सामने आती है कि उसकी खुफिया एजेंसी मोसाद की जड़ें बहुत गहरी हैं। ईरान सरकार और हमास एवं हिज्बुल्लाह के नेतृत्व ने कल्पना भी नहीं की होगी कि मोसाद का नेटवर्क उनके यहां इस तरह फैला होगा! हानिया और नसरुल्लाह तो बहुत कड़ी सुरक्षा में रहते थे। उन तक पहुंचना किसी फौलादी किले को ढहाने जैसा था। दोनों के साथ हमेशा सशस्त्र सैनिक रहते थे, जिन्हें अत्यंत उच्च स्तर का प्रशिक्षण दिया जाता और उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि की सख्ती से जांच की जाती थी। इसके बावजूद दोनों अपने 'सुरक्षित ठिकानों' पर ही ढेर कर दिए गए। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के तेवर देखकर लगता नहीं कि वे यहीं रुक जाएंगे। वे नसरुल्लाह के मारे जाने को इजराइल के लिए अपने युद्ध लक्ष्यों को हासिल करने के वास्ते 'आवश्यक शर्त' बता चुके हैं। अब आशंका यह जताई जा रही है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली ख़ामेनेई पर संकट के बादल मंडरा सकते हैं, चूंकि इजराइल के खिलाफ जारी लड़ाई को पर्दे के पीछे से वे ही संचालित कर रहे हैं। हमास, हिज्बुल्लाह जैसे संगठनों को मदद ईरान से मिल रही है। ईरानी अख़बार इनके लड़ाकों का गुणगान कर रहे हैं।

सात अक्टूबर को, जब इस लड़ाई को शुरू हुए एक साल हो जाएगा, ईरानी नेतृत्व को इस बात पर विचार जरूर करना चाहिए कि संपूर्ण घटनाक्रम से क्या हासिल हुआ? इजराइल के साथ ईरान, फिलिस्तीन जैसे देशों के तनावपूर्ण संबंध पहले भी थे, लेकिन हमास के हमले ने आग में तेल डालने का काम किया था। अगर हमास इजराइल के नागरिकों पर हमले की पहल नहीं करता, उनका अपहरण नहीं करता तो बात यहां तक नहीं पहुंचती। छोटे बच्चों, लड़कियों और बुजुर्गों के साथ जिस तरह क्रूरता का बर्ताव किया गया, उससे हमास को मिलने वाली सहानुभूति में निश्चित रूप से कमी आई। आज जब यह कहा जाता है कि इजराइल की वायुसेना गाजा और लेबनान के आम लोगों पर बम बरसा रही है (यह कथन पूरी तरह गलत भी नहीं है) तो इसके जवाब में यह सवाल पूछा जाता है– '7 अक्टूबर को हमला क्यों किया था?' इजराइल ने गाजा में जो जवाबी कार्रवाई शुरू की थी, उसमें अब तक 41,500 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की रिपोर्टें हैं। अब लेबनान में जिस तरह बम बरसाए जा रहे हैं, उससे यह आंकड़ा बढ़ना तय है। यह एक साल इन देशों के लिए संघर्ष और तबाही लेकर आया है, जिसे रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने की जरूरत है। ईरान को हमास, हिज्बुल्लाह जैसे संगठनों को मदद देना और उकसाना बंद करना चाहिए। अयातुल्ला अली ख़ामेनेई की भूमिका एक 'शांतिरक्षक' की होनी चाहिए थी, लेकिन वे तो लड़ाई के नए-नए मोर्चे खोलने को आमादा हैं। उन्होंने हाल में भारत के खिलाफ टिप्पणी कर दी थी। उनका यह रवैया इजराइल के साथ शांति में बाधा ही बनेगा। ईरान, लेबनान, हमास, हिज्बुल्लाह के लिए इस लड़ाई के कई मायने हो सकते हैं। वे हार का जोखिम उठा सकते हैं, जबकि इजराइल के लिए तो यह अस्तित्व बचाने का सवाल है। वह हार का जोखिम उठा ही नहीं सकता। अगर इजराइल हारा तो उसका अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा।

ट्वीटर टॉक

2 अक्टूबर को 'स्वच्छ भारत मिशन' के 10 साल पूरे हो रहे हैं। यह अवसर उन लोगों के अभिनंदन का है जिन्होंने इसे भारतीय इतिहास का इतना बड़ा जन आंदोलन बना दिया। ये महात्मा गांधी जी को भी सच्ची श्रद्धांजलि है, जो जीवनपर्यंत, इस उद्देश्य के लिए समर्पित रहे।

–नरेन्द्र मोदी

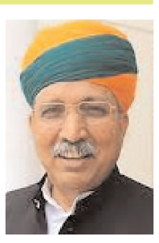

जम्मू कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी का विजय कमल खिलने जा रहा है । आज हीरानगर विधानसभा में आयोजित विजय संकल्प सभा में भाग लेकर भाजपा प्रत्याशी एडवोकेट विजय कुमार शर्मा जी के समर्थन में अधिकाधिक मतदान करने का आह्वान किया।

–अर्जुनराम मेघवाल

आज हरियाणा के रोहतक की जनसभा में जन-जन का उत्साह प्रतिबिंबित कर रहा है कि प्रदेशवासी यहाँ तीसरी बार कमल खिलाने के लिए तैयार है। हरियाणा में जब कांग्रेस की सरकार थी जमीनों के घोटाले होते थे, किसानों की भूमि हड़पी जाती थी।

–जेपी नड्डा

प्रेरक प्रसंग

निरंतरता की धार

एक दिन पृथ्वी, हवा और वर्षा एक बड़ी चट्टान से बातें कर रहे थे। चट्टान ने कहा, 'तुम सब एक साथ मिल जाओ, तब भी तुम मेरा मुकाबला नहीं कर सकती।' पृथ्वी और हवा दोनों इस बात पर सहमत थी कि चट्टान बहुत मजबूत है, पर वर्षा इस बात पर सहमत नहीं थी कि वह चट्टान का मुकाबला नहीं कर सकती। उसने कहा, 'तुम मजबूत हो, यह मैं जानती हूं, लेकिन मैं कमजोर नहीं।' इस बात को सुनकर पृथ्वी, हवा और चट्टान हंसने लगे। तब वर्षा ने कहा, देखो, मैं क्या कर सकती हूं। यह कहकर वह तेज गति से बरसने लगी। कई दिन बरसने पर चट्टान को कुछ नहीं हुआ। कुछ समय बाद पृथ्वी और हवा पुन: हंसने लगी। प्रति-उत्तर में वर्षा ने कहा, 'थोड़ा धैर्य रखो बहन।' वर्षा चट्टान पर लगातार दो वर्षों तक बरसती रही। उसके कुछ समय बाद हवा और पृथ्वी चट्टान से मिलने पहुंची। देखा, चट्टान बीच से कट गयी है। तब वर्षा ने कहा, 'यह छेद चट्टान को बलपूर्वक काटकर नहीं बनाया गया, बल्कि यह चट्टान पर मेरे लगातार, नियमित रूप से गिरने से बना है।'

सामयिक

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निर्माता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चौपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले।

दवा कारोबार की अनैतिकता से बढ़ता जीवन संकट

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने दवाइयों के क्वालिटी टेस्ट में 53 दवाओं को फेल कर दिया गया है। उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं। इन दवाओं में बीपी, डायबिटीज, एसिड रिफलक्स और विटामिन की कुछ दवाइयां भी शामिल हैं। इसके अलावा सीडीएससीओ ने जिन दवाओं को गुणवत्ता में फेल किया हैं उसमें बुखार उतारने वाली पैरासिटामोल, पेन किलर डिक्लोफेनेक, एंटीफंगल मेडिसिन फ्लुकोनाजोल जैसी देश की कई बड़ी फार्मास्युटिक्लस कंपनी की दवाएं भी शामिल हैं और इनको सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है। निश्चित ही यह खबर परेशानी एवं चिन्ता में डालने वाली है। कैसी विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी होने से उन मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गयी हैं जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन-डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-सी, एंटी-एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं।

रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। अमानक पाई गई दवाइयों के ये मामले तो तब आए हैं जब पहले से ही दवाओं की गुणवत्ता तय करने के लिए कई सख्त प्रक्रियाएं होती हैं। इनमें कच्चे माल की जांच और निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण तक शामिल होता है। इसके बावजूद नामी दवा निर्माता कंपनियों के उत्पाद भी मानकों पर खरे नहीं उतरें तो यह माना जाना चाहिए कि कम लागत में ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में ये कंपनियां नैतिकता एवं मानवीयता को ताक पर रखने लगी है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब दवाइयां गुणवत्ता के पैमानों पर खरी नहीं उतरी हैं।

आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते होंगे। इस बाबत गंभीर शोध-अनुसंधान की जरूरत है। चिंता यह भी कि यदि रैंडम सैम्पलिंग में ये दवाइयां पकड़ी नहीं जाएं तो इनकी खुलेआम बिक्री लोगों की सेहत पर खतरा बन कर मंडराती रहती हैं। एक तरफ सीडीएससीओ ने दवाओं की सुगम आपूर्ति के लिए अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, कनाडा व यूरोपीय संघ के कुछ चुनिंदा देशों से आयातित दवाओं को नियमित नमूना परीक्षण से छूट दी है, वहीं देश के बाजारों में पहुंची दवा निर्माता कंपनियों की दवाओं में मिलने वाली यह खोट हमारी छवि पर विपरीत असर डालने वाली है। दवा परीक्षण में किसी भी स्तर पर लापरवाही अक्षम्य ही है क्योंकि दवा कारोबार में हेराफेरी का खेल लोगों की जान का दुश्मन बन सकता है। विडंबना देखिए कि ताकतवर और धनाढ्य वर्ग द्वारा संचालित इन दवा कंपनियों पर राज्य सरकारें भी जल्दी हाथ डालने से कतराती हैं। जिसकी कीमत आम लोगों को ही चुकानी पड़ती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानवीय मूल्यों में इस हद तक गिरावट आई है कि लोग अपने मुनाफे के लिये पीड़ित मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं। व्यथित करने वाली बात है कि गुणवत्ता एवं मानक में फेल होने वाली दवाओं में पेट में इंफेक्शन रोकने वाली एक चर्चित दवा भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि इसी साल अगस्त में केंद्र सरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन यानी एफडीसी दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। दरअसल, ये दवाइयां आमतौर पर सर्दी व बुखार, दर्द निवारक, मल्टी विटामिन और एंटीबायोटिक्स के रूप में इस्तेमाल की जा रही थी। मरीजों के लिये नुकसानदायक होने की आशंका में इन दवाइयों के उत्पादन, वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी गई थी। सरकार ने यह फैसला दवा टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश पर लिया था। जिसका मानना था कि इन दवाओं में शामिल अवयवों की चिकित्सकीय गुणवत्ता संदिग्ध है। दरअसल, एक ही गोली को कई दवाओं से मिलाकर बनाने को फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स यानी एफडीसी कहा जाता है। बहरहाल, सामान्य रोगों में उपयोग की जाने वाली तथा जीवनरक्षक दवाओं की गुणवत्ता में कमी का पाया जाना, मरीजों के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिसके लिये नियामक विभागों की जवाबदेही तय करके घटिया दवा बेचने वाले दोषियों को कठोर दंड दिया जाना चाहिए। असल में इस तरह की दानवी सोच वाले लोग सिर्फ अपना स्वार्थ देखते हैं। ऐसे लोग धन-संपत्ति आदि के जरिए सिर्फ अपना ही उत्थान करना चाहते हैं, भले ही इस कारण दूसरे लोगों और पूरे समाज ही मौत के मुंह में जा रहे हो, यह मानवीय संवेदनाओं के छीजने की चरम पराकाष्ठा है। यह कैसी विडम्बना एवं विसंगतिपूर्ण दौर है जिसमें जिसको जहां मौका मिल रहा है, वह लूटने में लग हुआ है, यहाँ कोई भी व्यक्ति सिर्फ तब तक ही ईमानदार है जबतक उसको चोरी करने का या लूटने का मौका नहीं मिलता।

हद तो तब है जब कई जगह जीवनरक्षक इंजेक्शनों की जगह नकली इंजेक्शन तैयार करने की खबरें भी आती रहती हैं। हम कितनें लालची एवं अमानवीय हो गये हैं, हमारी संवेदनाओं का स्रोत सूख गया है, तभी अपना ईमान बेच कर इंजेक्शन में पैरासिटामोल मिलाकर बेचने लगते हैं, हम तो अपनी तिजोरियां भरने के लिए जिंदा इंसानों को ही नोच रहे हैं, कहाँ लेकर जाएंगे ऐसी दौलत या फिर किसके लिए? यह कैसी मानवीयता है? दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निर्माता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चौपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। सरकार का व्यवस्था पर नियंत्रण कमजोर होता दिख रहा है। आम आदमी जाए तो कहां जाये? विश्व को श्रेष्ठ, नैतिक एवं मानवीय बनने का उपदेश देने वाला देश आज कहां खड़ा है? आज इन मूल्यों एवं संवेदनाओं की दृष्टि से देश कितना खोखला एवं जर्जर हो गया है। आज भौतिक एवं स्वार्थी मूल्य अपनी जड़ें इतनी गहरी जमा चुके हैं कि उन्हें निर्मूल करना आसान नहीं है। मनुष्य का संपूर्ण कर्म प्रदूषित हो गया है। सारे छोटे-बड़े धंधों में अनीति प्रवेश कर गई है। अमानक दवाओं का बढ़ता बाजार एक कलंक बनकर उभरा है। निस्संदेह यह संकट जल्दी समाप्त होने वाला नहीं है। ऐसे में सरकारों को दूरगामी परिणामों को ध्यान में रखकर रणनीति बनानी होगी।

नजरिया

हिंसकों और भस्मासुरों को पड़ोसी जनता चुनती ही क्यों है?

आचार्य विष्णु श्रीहरि
मोबाइल : 9315206123

पडोसी देशों में सत्ता परिवर्तन की आंधी चल रही हैं। कहीं जनता शासकों को कान पकड़ कर बाहर कर रही है तो कही तख्तापलट हो रहा हैं, कहीं इस्लामिक शासन स्थापित हो रहा है तो कहीं तानाशाही कायम हो रही है। इसका उदाहरण बंग्लादेश है और श्रीलंका हैं। इन दोनों देशों में अभी-अभी नयी सरकारें स्थापित हुई है। बांग्लादेश में जहां पर तख्तापलट हुआ, लोकतांत्रित ढंग से चुनी हुई सरकार कुचली गयी और इस्लामिक मूल्यों पर आधारित हिंसक और हिन्दू विरोधी सरकार बनायी गयी जो अन्य अल्पसंख्यक मूल्यों का भी घोर विरोधी है जिसनें इस्लामिक हिंसा और कत्लेआम के खिलाफ अपना सत्ता फर्ज निभाने के लिए आगे नहीं आयी। श्रीलंका में भी सत्ता परिवर्तन हुआ है, कहने के लिए एक लोकतांत्रित सरकार वहां भी स्थापित हुई है पर वह लोकतांत्रित सरकार सिर्फ नाम मात्र की है उसकी मान्यताएं कम्युनिस्ट विचार धारा से मिलती हैं, कम्युनिस्ट विचारधारा की मान्यताओं का सीधा अर्थ हिंसक, अराजक और वैश्विक विरोधी होना।

इसके अलावा अन्य पडोसियों देशों जैसे पाकिस्तान, नेपाल और अफगानिस्तान, म्यांमार आदि में भी जो सरकारें स्थापित हैं वे सरकारें कहीं से भी मानवीय मूल्यों से जुड़ी हुई नही हैं और सर्वधर्म सम्मभाव से दूर हैं। अफगानिस्तान का तालिबान सरकार अपने स्थापना के समय से ही गैर मुसलमानों का दमन कर चुकी हैं, अपने शासन क्षेत्र से गैर मुसलमानों को हिंसा और धमकी के बल पर भागने के लिए मजबूर कर दिया है। जबकि पाकिस्तान अपने इस्लामिक मूल्यों पर हिंसक रहने की गतिविधियों के घेरे में ही कैद रहता है। मालदीव में भी घोर इस्लामिक हिंसक मूल्यों वाली सरकार है। नेपाल में कम्युनिस्ट मूल्यों वाली सरकार है। नेपाल में कम्युनिस्ट मूल्यों वाली सरकार चीन के साथ दोस्ती रखती हैं और भारत के साथ दुश्मनी रखती हैं।

चीन और पाकिस्तान जैसे हमारे दुश्मनों के लिए अच्छी बात यह है कि उसकी संस्कृति और मानसिकता के ही सरकारें बन रही हैं। सिर्फ भारत ही एक मात्र देश है जो अपने पड़ोसियों के बीच अलग तरह का देश है जिसके लिए अल्पंसख्यक ही महत्वपूर्ण और विकास-उन्नति के केन्द्र विन्दु होते हैं और उनके लिए संविधान भी विशेष ध्यान रखता है। लेकिन भारत के लिए ऐसी सरकारें चिंता के ही विषय होती हैं और भारत के सामने कई प्रकार की चुनौतियां खड़ी होती हैं, अपनी अर्थव्यवस्था और गरीब जनता की कीमत पर भारत को ऐसी देशों की बुनियादी और जरूरी जरूरतों को पूरा करने के लिए आगे आना पड़ता है। पर एक महत्तवपूर्ण विचारन का विषय यह है कि बांग्लादेश, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, मालदीव, श्रीलंका, म्यांमार और नेपाल क्या ये सफल देश हैं, क्या ये स्वयं पर खडे देश हैं, क्या ये कटोरे लेकर भीख मांगने वाले देश नहीं हैं, क्या ये भारत जैसे मूर्ख देश के रहमोकर्म पर जिंदा रहने वाले देश नहीं हैं। सच तो यह है कि बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, मालदीव, श्रीलंका और नेपाल एक विफल देश हैं, विफल देश उस देश को कहते हैं जो हिंसा ओर अलगाव से युक्त होता है और जो आर्थिक तंत्र से बेहाल, फटहाल होता है, जिसके लिए अंतर्राष्ट्रीय नियम कानूनों की प्राथमिकता निरर्थक होती है, बेकार होता है, चारो तरफ अराजकता फैला हुआ होता है। दुनिया के लिए विफल देश एक बहुत बड़ी समस्या की तरह होते हैं जहां पर सिर्फ और सिर्फ हिंसा ही पसरी होती है और चारों तरफ गृह युद्ध की स्थिति उत्पन्न होती हैं, भूख और बेकारी पसरी होती है, भूख बेकारी से मानवता भी शर्मसार होती है। ऐसे देशों की मानवीय सहयाताएं देना विश्व समुदाय की जिम्मेदारी बन जाती है। यही कारण है कि विफल देश को दुनिया अपने लिए एक समस्या मानती हैं और एक संकट भी मानती है।

भारत के पड़ोसी देशों की जनता भी इसी मानसिकता के सहचर हैं। इनके लिए राजकता, शांति, सदभाव और उन्नति-विकास की अवधारणाएं कहीं भी अर्थ नहीं रखती हैं। वे हमेशा ऐसी सरकार चुनती हैं और ऐसे शासक चुनते हैं जो भस्मासुर होते हैं, हिंसक होते हैं, आतंकी होते हैं, मानवता विरोधी होते हैं, विकास विरोधी होते हैं, उन्नति विरोधी होते हैं, धार्मिक रूप से असहिष्णुता कायम करने वाले होते हैं, अल्पसंख्यकों के प्रति हिंसक स्वभाव रखने वाले होते हैं, जिनके लिए अंतर्राष्ट्रीय चार्टर कोई अर्थ ही नहीं रखता है। क्या तालिबान आकाश और पताल में रहता था, तालिबान तो अफगानिस्तान की जनता के बीच ही संरक्षण पाता था। पाकिस्तान के शासकों ने आतंकवाद की खेती कर और आतंकवाद के फैक्टरी खोल कर पाकिस्तान को एक हिंसक और आतंकवादी निर्यातक देश नहीं बना दिया है, इसके कारण उसकी अर्थव्यवस्था चौपट नहीं हुई है क्या? इस कारण पाकिस्तान आज पूरी दुनिया में कटौरे लेकर भीख नहीं मांग रहा है? फिर भी भीख उसे नहीं मिल रही है। पाकिस्तानी जहां भी जाते हैं वहां पर तिरस्कार और अपमान झेलते हैं, उनकी पहचान सिर्फ और सिर्फ आतंकी की होती है, हिंसक की होती है, मानवता खोर की होती है। मालदीव सिर्फ एक टापू वाला देश है जो समुद्र में विलीन होने वाला है, कोई उसे अपनी जमीन देने के लिए तैयार नहीं है। मालदीव की अर्थव्यवस्था भारत की मेहरबानी पर चलती है, भारत की आर्थिक सहायता पर मालदीव का संकट दूर होता है, प्राकृतिक आपदा आने पर भारत ही मदद करता है पर मालदीव की जनता ने एक ऐसे हिंसक और मजहबी व विकृत मानसिकता से ग्रसित व्यक्ति को अपना शासक बना बैठा जो भस्मासुर बन गया और मदद देने वाले भारत के खिलाफ ही आंख दिखाने लगा, सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि इस्लामिक यूनियनबाजी पर उतर आया। नेपाल में जनता ने चीन पक्षधर कम्युनिस्टो को अपना शासन बना लिया। सबसे ज्यादा चिंता तो श्रीलंका की जनता ने कायम की है। श्रीलंका की जनता ने एक ऐसे व्यक्ति को अपना शासक चुन लिया जो कर्म और विचारधारा से कम्युनिस्ट है, कम्युनिस्ट विकास और उन्नति के विरोधी होते हैं, अर्थव्यवस्था का विध्वंस करते हैं, अशांति को स्थापित करते हैं। इसका उदाहरण सोवियत संघ ही नहीं बल्कि भारत के पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, केरल जैसे प्रदेश भी है जहां पर कम्युनिस्टों ने अपने शासन के दौरान विकास और उन्नति की कब्र खोद डाली, कल-कारखानों को बंद करा दिया, कानपुर जिसे भारत का मैनचैस्टर कहा जाता था को कम्युनिस्ट यूनियनबाजी ने कब बना दिया, आज कानपुर विरान है, बड़े उद्योगों और बडी फैक्टरियों का नामोनिशान मिट गया। श्रीलंका को चीन ने तबाह कर दिया और उसकी अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया। एक कम्युनिस्ट शासक श्रीलंका को फिर से समृद्धि की राह पर गतिमान कर सकता है? बांग्लादेश में इस्लामिक शासन बना कर कौन सा संदेश दिया गया है? बांग्लादेश भी कुछ दिनों में बुनियादी समस्याओं के लिए तरसेगा, जहां पर हिंसा और आतंकवाद की फैक्टरियां दुनिया के लिए चुनौती बनेगी। म्यांमार के आधे भूभाग पर सेना सरकार का अस्तित्व ही नहीं है।

चीन की कारस्तानी भी विमर्श में शामिल होनी चाहिए। भारत विरोध के कारण चीन हमेशा इस्लामिक और कम्युनिस्ट तानाशाही वाली सरकारें बनवाती रही हैं। हिंसक, भ्रष्ट और राजकता विरोधी शासक चीन के टूल बन जाते हैं। चीन पहले कर्ज का फांसा फेंकता है और बाद में कंगाल कर देता है। चीन के कर्ज से श्रीलंका कैसे तबाह हुआ, यह उदाहरण के तौर पर हमारे सामने खड़ा है। चीन के पक्ष में जो खड़ा हुआ, उसके कर्ज का जो शिकार हुआ वह कटौर लेकर भीख मांगने लगा। फिर भी पडोसी देशों के शासक चीन के प्रति निष्ठा और यूनियनबाजी से बाज नहीं आते हैं। पड़ोस में ऐसी इस्लामिक और तानाशाही मूल्यों वाली सरकारें भारत के लिए एक खतरनाक चुनौती और समस्या बन गयी हैं।

चीन की कारस्तानी भी विमर्श में शामिल होनी चाहिए। भारत विरोध के कारण चीन हमेशा इस्लामिक और कम्युनिस्ट तानाशाही वाली सरकारें बनवाती रही हैं। हिंसक, भ्रष्ट और राजकता विरोधी शासक चीन के टूल बन जाते हैं। चीन पहले कर्ज का फांसा फेंकता है और बाद में कंगाल कर देता है। चीन के कर्ज से श्रीलंका कैसे तबाह हुआ, यह उदाहरण के तौर पर हमारे सामने खड़ा है। चीन के पक्ष में जो खड़ा हुआ, उसके कर्ज का जो शिकार हुआ वह कटौरे लेकर भीख मांगने लगा। फिर भी पडोसी देशों के शासक चीन के प्रति निष्ठा और यूनियनबाजी से बाज नहीं आते हैं।

पड़ोस में ऐसी इस्लामिक और तानाशाही मूल्यों वाली सरकारें भारत के लिए एक खतरनाक चुनौती और समस्या बन गयी हैं। भारत को इससे सावधान रहना होगा। भारत को अपनी सीमा सुरक्षित रखनी होगी। अपनी तिजोरी भी बंद रखनी होगी। ऐसे पडोसी देशों को उसके भाग्य और कर्म पर ही छोड़ देना चाहिए। भारत को इन सांपों को मदर कर दयावान बनने की कोई जरूर नहीं है क्योंकि ये हिंसक और भस्मासुर हैं।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुरक्षा के बेहतरीन माहौल में ही निवेश आता : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि सुरक्षा के बेहतरीन माहौल में ही निवेश आता है, इसलिए प्रदेश सरकार ने अपराध और अपराधियों के 'प्रति जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाई है। मुख्यमंत्री गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के समीप बस रहे औद्योगिक गलियारे में 'वरुण बेवरेजेज' के नए शीतल पेय बॉटलिंग और डेयरी उत्पाद संयंत्र के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। 'पेप्सिको' की फ्रेंचाइजी ने 1,170 करोड़ रुपये के निवेश से इस संयंत्र को स्थापित किया है। उन्होंने कहा, सुरक्षा के बेहतरीन माहौल में ही निवेश आता है। जब व्यक्ति ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो उसकी पूंजी कैसे सुरक्षित रह पाएगी। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर बिना नाम लिए तंज कसते हुए कहा कि सुरक्षा के इस शानदार माहौल से, अपराध और अपराधियों के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' नीति से उन लोगों और उनके आकाओं को परेशानी होती है जिनके लिए अपराध ही पेशा था।

आदित्यनाथ ने कहा, सरकार कानून-व्यवस्था को लेकर 'जीरो टॉलरेंस' के लिए प्रतिबद्ध है, क्योंकि इससे ही वर्तमान सुरक्षित रहेगा और बेहतर भविष्य के लिए वर्तमान का सुरक्षित रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं का आह्वान किया है कि वे नौकरी की बजाय उद्यमिता पर अधिक ध्यान दें, क्योंकि रोजगार के लिए और अधिक अवसर पाने के लिए उद्यमिता सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। मुख्यमंत्री ने कहा, आधुनिक विकास की नई ऊंचाइयों को छूने वाले जिन देशों ने उद्यमिता, शोध और नवाचार पर ध्यान दिया है, वही देश आर्थिक परिदृश्य के केंद्र बिंदु में हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 में जब पहली बार उनकी सरकार बनी तो उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं को तलाशने के लिए एक टीम को गठित किया गया जिसने रिपोर्ट दी कि प्रदेश में 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश आ सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके बाद फरवरी 2023 में हुए 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' में उत्तर प्रदेश को 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले। उन्होंने कहा कि इनमें से 10 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों का प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में हुए 'ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी' में शिलान्यास हो चुका है जबकि 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरने के लिए विचारणीय हैं।

भारत में 50 साल से कम उम्र के पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर के मामले बढ़े: विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। विशेषज्ञों ने दावा किया है कि भारत में 50 साल से कम उम्र के पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर के मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों ने कहा कि यदि इस बीमारी की पहचान जल्दी हो जाए तो इसका प्रभावी ढंग से इलाज किया जा सकता है, क्योंकि यह अक्सर धीमी गति से बढ़ती है। दुनिया भर में पुरुषों को सबसे अधिक प्रभावित करने वाले प्रोस्टेट कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सितंबर को प्रोस्टेट कैंसर जागरूकता माह के रूप में मान्यता दी गई है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रोस्टेट ग्रंथि में विकसित होने वाले प्रोस्टेट कैंसर प्रमुख रूप से वृद्ध पुरुषों को प्रभावित करता है, लेकिन भारत में युवा पुरुषों में भी यह आक्रामक रूप से बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि 50 वर्ष से कम उम्र वर्ग में प्रोस्टेट कैंसर के मामलों में काफी वृद्धि हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022 में प्रोस्टेट कैंसर से 37,948 भारतीय पुरुष प्रभावित हुए - जो इस वर्ष देश में दर्ज किए गए कैंसर के 14 लाख नए मामलों का लगभग तीन प्रतिशत है। डॉ. आशीष गुप्ता ने भारतीय पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर के बढ़ते मामलों को लेकर कहा, प्रारंभिक अवस्था में पता लगने से जीवित रहने की दर में उल्लेखनीय वृद्धि होती है, क्योंकि प्रोस्टेट कैंसर अक्सर धीमी गति से बढ़ता है और यदि प्रारंभिक अवस्था में इसकी पहचान हो जाए तो इसका प्रभावी ढंग से इलाज किया जा सकता है। भारत में सबसे बड़ी समस्या है देर से इसका पता लगना। डॉ. आशीष गुप्ता अमेरिकी बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त कैंसर विशेषज्ञ हैं जो दिल्ली के यूनिक हॉस्पिटल कैंसर सेंटर में 'मेडिकल ऑन्कोलॉजी' विभाग के प्रमुख हैं।

डॉ. गुप्ता ने कहा कि अमेरिका में प्रोस्टेट कैंसर के 80 प्रतिशत रोगियों में बीमारी का पता शीघ्र चल जाता है, तथा 20 प्रतिशत रोगियों में देरी से इसका पता चलता है। उन्होंने कहा कि भारत में आंकड़े इसके उलट हैं। वरिष्ठ चिकित्सक ने कहा कि नियमित पीएसए टेस्ट और जांच के माध्यम से पुरुष अपने स्वास्थ्य पर नियंत्रण रख सकते हैं और बीमारी के बढ़ने की संभावना को कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि प्रारंभिक अवस्था में लक्षण प्रायः अनुपस्थित होते हैं, फिर भी पुरुषों को संभावित चेतावनी संकेतों के प्रति सचेत रहना चाहिए। प्रोस्टेट कैंसर के लक्षणों में पेशाब करने में कठिनाई, बार-बार पेशाब आना , पेशाब या वीर्य में रक्त आना तथा कूल्हों, पीठ या श्रोणि में दर्द शामिल हैं। विशेषज्ञों ने प्रोस्टेट कैंसर के बारे में पता चलने और इसके उपचार में देरी के प्रति चेताया क्योंकि यह जानलेवा साबित हो सकता है।

एआई में जीवन में आमूलचूल बदलाव लाने की क्षमता, गलत उपयोग खतरनाक साबित हो सकता है: यूनेस्को के एडीजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एक ऐसी तकनीक है जो आग की खोज की तरह मानव जीवन में आमूलचूल बदलाव लाने की क्षमता रखती है, लेकिन अगर इसका गलत उपयोग किया गया तो यह काफी खतरनाक साबित हो सकती है। यूनेस्को में शिक्षा मामले की सहायक महानिदेशक स्टेफनिया जियानिनी ने यह बात कही। पेरिस से 'पीटीआई-भाषा' को दिये एक साक्षात्कार में जियानिनी, जो इटली की पूर्व शिक्षा मंत्री भी हैं, ने कहा कि प्रत्येक तकनीकी क्रांति के व्यापक सामाजिक और शैक्षणिक प्रभाव होते हैं, जिससे हमारे जीने के तरीके और हमारे सीखने के तरीके में मौलिक परिवर्तन होता है। उन्होंने कहा कि देशों में डिजिटल विभाजन अब भी बहुत गहरा है। ऐसे में यदि नई तकनीक उचित निवेश द्वारा संचालित और समर्थित नहीं है, तो यह विभाजन और बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा, अपने करिअर के दौरान मैंने कम से कम चार डिजिटल क्रांतियां देखी हैं जिसमें पर्सनल कंप्यूटर के आगमन से लेकर इंटरनेट का विस्तार, मोबाइल उपकरणों और सोशल मीडिया का उद्भव और चैटजीपीटी जैसे जनरेटिव एआई का तीव्र और अप्रत्याशित आगमन शामिल है। जियानिनी ने कहा कि प्रत्येक तकनीकी क्रांति के व्यापक सामाजिक और शैक्षिक निहितार्थ होते हैं, जिससे हमारे जीने के तरीके और सीखने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव आता है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों और सभी देशों ने इन तकनीकी क्रांतियों को एक ही तरह से महसूस नहीं किया है, लेकिन हर जगह उनके द्वारा बनाई गई नई दुनिया आशा और चिंता दोनों का स्रोत रही है। एआई की तुलना आग की खोज से करने के संदर्भ में उन्होंने कहा कि आग की तरह एआई से संभावित लाभ के साथ खतरे का भी जोखिम है। शिक्षा प्रणाली में एआई के उपयोग की चुनौतियों के बारे में जियानिनी ने कहा, सबसे पहले यह देखना होगा कि डिजिटल युग के लिए कौन सी सामग्री और पाठ्यक्रम उपयुक्त हैं इसके बाद दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा मूल्यांकन प्रणाली है।

उन्होंने कहा कि पढ़ाई के परिणाम का आकलन कैसे किया जाए, यह भी एक बड़ा सवाल है। उन्होंने कहा कि जो परीक्षाएं कभी हैक नहीं की जा सकती थीं, वे अब एआई अनुप्रयोगों के साथ आसानी से हैक की जा सकती हैं। दुनिया भर में छात्र 'असाइनमेंट' के लिए एआई का उपयोग करते हैं। तो क्या स्कूलों और विश्वविद्यालयों को इसके उपयोग को रोकने की कोशिश करनी चाहिए? या क्या हमें मूल्यांकन को इस बात पर केंद्रित करना चाहिए कि विचारों और तर्कों को साक्ष्य के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए? जियानिनी के अनुसार, मुख्य सवाल यह है कि क्या भविष्य के स्कूलों को शिक्षकों की आवश्यकता होगी या 'एआई ट्यूटर' शिक्षकों का स्थान किस तरह लेंगे? 2023 में, यूनेस्को ने पहला 'शिक्षा और अनुसंधान में जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए मार्गदर्शन' प्रकाशित किया, जिसमें शिक्षण और सीखने के लिए सुरक्षा और उपयुक्तता के आधार पर जेनएआई को विनियमित करने के लिए सरकारी एजेंसियों के लिए प्रमुख कार्यों का प्रस्ताव दिया गया था। प्रस्तावित कार्रवाइयों में शामिल हैं - डेटा गोपनीयता की रक्षा करने का दायित्व, विशेष रूप से बच्चों के लिए; कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग के लिए कॉपीराइट कानूनों को अद्यतन करना और जेनेरिक एआई का उपयोग करने के लिए आयु सीमा निर्धारित करना।

जियानिनी ने कहा कि कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, डेटा साइंस और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में तकनीकी कौशल भविष्य में भी प्रासंगिक बने रहेंगे, लेकिन एक विरोधाभास यह भी है कि जैसे-जैसे एआई अधिक परिष्कृत और उपयोग में आसान होता जा रहा है, विशेष तकनीकी कौशल की आवश्यकता कम हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में हो सकता है कि तकनीकी कौशल की आश्यकता ना रहे, लेकिन सही सवालों को पूछकर मशीन से पूछताछ करने के लिहाज से संज्ञानात्मक और सामाजिक-भावनात्मक क्षमताएं अहम होंगीं।

पैन इंडिया स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम

मुंबई/एजेन्सी

रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस रामा की लोकप्रिय फिल्म के प्रशंसक इसके आगामी थिएटर रिलीज को लेकर बेहद उत्साहित हैं। जबरदस्त समर्थन के जवाब में, गीक पिक्चर्स इंडिया ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि वाल्मीकि रामायण का बहुप्रतीक्षित एनीमे रूपांतरण, जिसमें मूल अंग्रेजी डबिंग के अलावा नई हिंदी, तमिल और तेलुगु डबिंग भी शामिल है, 18 अक्टूबर को भारतीय सिनेमाघरों में आएगा। बाहुबली, बजरंगी भाईजान और आरआरआर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए प्रसिद्ध दिग्गज पटकथा लेखक श्री वी. विजयेंद्र प्रसाद को शामिल करने से इस रूपांतरण में रचनात्मक प्रतिभा की एक अतिरिक्त परत जुड़ गई है। इन नए डब के साथ, प्रतिष्ठित एनीमे फिल्म और भी व्यापक दर्शकों तक पहुँचने के लिए तैयार है, जो इस प्रिय क्लासिक को नई पीढ़ी के लिए पुनर्जीवित करेगी।

फिल्म को जापान में ही बनाया गया था और इसके निर्माण में दोनों देशों के करीब 450 कलाकारों ने अपना योगदान दिया था। फिल्म को रिलीज होने के एक साल बाद पहली बार इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में दिखाया गया था। हालांकि, उस समय राम जन्मभूमि को लेकर विवाद के कारण यह फिल्म सिनेमाघरों में टिक नहीं पाई और आखिरकार भारत में टीवी पर इसका प्रसारण किया गया। पिछले साल जब आदिपुरुष की आलोचना हुई थी, तो लोगों ने जापानी-भारतीय फिल्म रामायण की तुलना आदिपुरुष से की थी और इसकी सराहना की थी और अब 31 साल बाद यह फिल्म भारतीय सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होगी।

दशहरा और दिवाली के भारतीय त्योहारों के मौसम में रिलीज़ होने वाली रामायण: द लीजेंड ऑफ़ प्रिंस रामा एक सिनेमाई उत्सव होने का वादा करती है, जिसमें भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को जापानी एनीमे की चमक के साथ जोड़ा गया है।

गीक पिक्चर्स इंडिया, एए फिल्म्स और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा पूरे भारत में वितरित की गई यह फिल्म देश भर के दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है। यह फिल्म 18 अक्टूबर को भारत भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल और तेलुगु में नए डब किए गए संस्करणों के साथ-साथ इसके मूल अंग्रेजी डब के साथ रिलीज़ होगी।

जनसभा

कांग्रेस सांसद शैलजा कुमारी रविवार को यमुनानगर के जगाधरी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार अकरम खान के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करती हुई।

अगर बेहतर मौका मिला तो हिंदी फिल्मों में काम करूंगा : ऋषभ शेट्टी

यास आइलैंड (अबू धाबी)/भाषा। 'कांतारा' फिल्म के अभिनेता और निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने कहा कि कन्नड़ फिल्म जगत उनकी प्राथमिकता है, लेकिन अगर उन्हें सही मौका मिला तो वह हिंदी फिल्म में काम करना चाहेंगे। शेट्टी ने 2022 की एक्शन थ्रिलर 'कांतारा' के लिए देश भर में लोकप्रियता हासिल की। उन्हें इस लोकप्रिय फिल्म के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब भी मिला। उन्होंने कहा कि भाषाई बाधा अब अतीत की बात हो गई है। शेट्टी ने शुक्रवार रात को यहां आइफा पुरस्कार समारोह में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मेरी प्राथमिकता कन्नड़ फिल्म जगत है। इसने मुझे बहुत बड़ा अवसर दिया है। आज कोई भाषाई बाधा नहीं है और लोग यहां आपके काम को पहचानते हैं। बदलाव की बदौलत अब यह भारतीय सिनेमा बन गया है। अगर अच्छा अवसर मिला तो मैं (हिंदी फिल्मों में) काम करूंगा। हाल ही में एक साक्षात्कार में 'बॉलीवुड द्वारा भारत को नकारात्मक रूप में चित्रित करने' के बारे में उनकी कथित टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर, अभिनेता-फिल्म निर्माता ने कहा, मैं जो कहने की कोशिश कर रहा था उसे गलत समझा गया। मैं (इस बारे में) किसी और दिन स्पष्ट करूंगा।

शाहरूख खान और रानी मुखर्जी को मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और अभिनेत्री का आइफा अवार्ड

अबुधाबी/एजेन्सी

बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान और अभिनती रानी मुखर्जी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फ़िल्म अकादमी पुरस्कार (आइफा) अवार्ड दिया गया। अबुधाबी में तीन दिन तक चलने वाले आइफा अवॉर्ड शो का दूसरा दिन बॉलीवुड सितारों के नाम रहा। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार शाहरूख खान को फिल्म जवान जबकि सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार रानी मुखर्जी को फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे के लिये दियाग गया। सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार फिल्म एनिमल को दिया गया। वहीं सर्वश्रेष्ठ निर्देशन का पुरस्ककार विधु विनोद चोपड़ा को फिल्म 12वीं फेल के लिये मिला। सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार अनिल कपूर को फिल्म एनिमल के लिये दिया गया, जबकि शबाना आजमी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के लिये सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के पुरस्कार से सम्मानित की गयी। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता(नेगेटिव रोल) का पुरस्कार बॉबी देओल को फिल्म एनिमल के लिये मिला। सर्वश्रेष्ठ कहानी, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी, सर्वश्रेष्ठ संगीत फिल्म एनिमल, सर्वश्रेष्ठ लिरिक्स, सिद्धार्थ-गरिमा (एनिमल का गाना सतरंगा), सर्वश्रेष्ठ प्लेबैक सिंगर, भूपिंदर बब्बल ,गाना अर्जन वैली फिल्म एनिमल ,सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका (महिला) शिल्पा राव, गाना चलेया फिल्म जवान के लिये दिया गया। आउटस्टैंडिंग कॉन्ट्रीब्यूशन टू इंडियन सिनेमा, जयंतीलाल गड़ा, हेमा मालिनी,अचीवमेंट ऑन कंप्लीटिंग 25 ईयर्स इन सिनेमा का पुरस्कार करण जौहर को दिया गया।

बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों ने इस कार्यक्रम में शिरकत की। हेमा मालिनी, रेखा, शाहरुख खान, रानी मुखर्जी, अनिल कपूर, बॉबी देओल, विक्की कौशल, शाहिद कपूर और कृति सनोन जैसे सितारे ने शामिल होकर इस कार्यक्रम में चार चांद लगाए।

अवनीत कौर ने शुरू की 'लव इन वियतनाम' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

अपने डेब्यू प्रोजेक्ट लव इन वियतनाम के साथ अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में कदम रखते हुए अभिनेत्री अवनीत कौर ने अपने नए रोमांचक सफर की शुरुआत की है। इस उपलब्धि को अपने फैंस के साथ बांटते हुए उन्होंने कई तस्वीरें शेयर की है। इंस्टाग्राम पर 31.9 मिलियन फॉलोअर्स वाली अवनीत तस्वीरों में व्हाइट क्रॉप टॉप, ब्लैक शॉर्ट स्कर्ट और ब्लैक वर्सिटी जैकेट में कूल चिक वाइब्स देती नजर आई।

इसके लिए उन्होंने नेचुरल मेकअप और अपने बालों को बन में बांधकर अपने लुक को सनग्लास, व्हाइट लॉन्ग सॉक्स, मैचिंग स्नीकर्स और ब्लैक हैंडबैग के साथ पूरा किया। इस पोस्ट उन्होंने अपने प्रोजेक्ट से कई सारी तस्वीरें शेयर की, जिसमें उन्हें बाल और मेकअप करवाते हुए देखा जा सकता है। अपने लोकेशन को वियतनाम के दालात के साथ टैग करते हुए कैप्शन में अपनी खुशी जाहिर की।

'लव इन वियतनाम' बेस्टसेलर 'मैडोना इन ए फर कोट' पर आधारित है। यह एक आकर्षक कहानी देने का वादा करती है, जो दर्शकों को पसंद आएगी। राहत शाह काजमी द्वारा निर्देशित और ओमंग कुमार द्वारा निर्मित इस फिल्म में शांतनु और वियतनाम की अभिनेत्री खा नगन भी हैं। 22 वर्षीय दिवा ने 2010 में जी टीवी के डांस शो 'डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स' से अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने 2012 में लाइफ ओके के 'मेरी मां' से अभिनय की शुरुआत की। इसमें उन्होंने झिलमिल की भूमिका निभाई थी। इसके बाद वह सब टीवी के शो 'टेढ़े हैं पर तेरे मेरे हैं' में नजर आई।

उन्होंने दर्शील सफारी के साथ सेलिब्रिटी डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 5' में भी भाग लिया। अवनीत ने 'सावित्री - एक प्रेम कहानी', 'एक मुट्ठी आसमान', 'हमारी सिस्टर दीदी', 'चंद्र नंदिनी' और 'अलादीन-नाम तो सुना होगा' जैसे टीवी शो में काम किया है। वह 'मर्दानी', 'चिड़ियाखाना', 'टीकू वेड्स शेरू', 'लव की अरेंज मैरिज' जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं।

फिल्म 'बिंदु' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

आईवीवाई प्रस्तुत हाइक्यू एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी टीआरपी क्वीन अंजना सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बिंदु' का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। फिल्म बिंदु के पोस्टर में अंजना सिंह गुस्से में नजर आ रही हैं, जबकि बैकग्राउंड में खेतों में हो रही एक जबरदस्त फाइटिंग सीन दर्शकों का ध्यान खींचने वाला है। फिल्म 'बिंदु' को लेकर अंजना सिंह ने कहा, यह फिल्म मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि इसमें एक महिला के संघर्ष और उसके साहस को दिखाया गया है। इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक चुनौतीपूर्ण लेकिन गर्व का अनुभव रहा है। मैं उम्मीद करती हूं कि दर्शक इस फिल्म से जुड़ाव महसूस करेंगे और इसका संदेश समाज तक पहुंचेगा। बंटी ने कहा, फिल्म बिंदु केवल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि समाज को एक मजबूत संदेश देने के उद्देश्य से बनाई गई है। हमने इसमें एक सशक्त महिला की कहानी को पेश किया है, जो अपने हक के लिए संघर्ष करती है। अंजना सिंह ने इस किरदार में जान डाल दी है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। फिल्म बिंदु के निर्माता संदीप सिंह और अरविंद अग्रवाल हैं, वहीं निर्देशन इश्तियाक सिंह बंटी कर रहे है। फिल्म का कॉन्सेप्ट भी संदीप सिंह का है और स्क्रिप्ट एसके चौहान ने लिखी है। कार्यकारी निर्माता सुभाष चौहान हैं।

रवीना टंडन ने फ्लान्ट किया स्टाइलिश अवतार

मुंबई/एजेन्सी

90 के दशक की शानदार हिरोइन रवीना टंडन ने सोशल मीडिया का पारा फिर बढ़ा दिया है। अभिनेत्री का एक फोटो शूट टॉक ऑफ द टाउन बना हुआ है। ड्रेस सिम्पल लेकिन अंदाज स्टाइलिश है। उम्र के इस पड़ाव में आज भी यह अभिनेत्री लाखों दिलों की धड़कन है। सोशल मीडिया पर सक्रिय रवीना ने इस फोटोशूट को एक शब्द में परिभाषित किया है। लिखा है लव! उनका ब्ल्यू गाउन विद मैचिंग दुपट्टा क्लासी लुक जता रहा है कि उन्होंने लव क्यों लिखा! ड्रेसिंग को उन्होंने ग्लैमरस मेकअप से कम्पलीट किया है। स्मोकी आईज और न्यूड ब्राउन लिप्स उनके फैशन सेंस को बखूबी बयान कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर इस मस्त-मस्त एक्ट्रेस के 8.5 मिलियन फॉलोअर्स है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए रवीना अपनी कई फोटोज चाहने वालों के साथ शेयर करती रहती हैं। निजी जिंदगी की बात करें तो, 'अक्स' फेम अभिनेत्री ने फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी से शादी की है। कपल के दो बच्चे- बेटी राशा और बेटा रणबीरवर्धन हैं। रवीना टंडन दिवंगत निर्देशक रवि टंडन की बेटी है। उन्होंने 1991 की एक्शन फिल्म 'पत्थर के फूल' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह 'दिलवाले', 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी', 'जिद्दी', 'लाडला', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'दुल्हे राजा' और 'अनाड़ी नंबर 1' जैसी हिट फिल्मों में नजर आई थीं। रवीना प्रशांत नील की कन्नड़ फिल्म 'केजीएफ: चैप्टर 2' में भी दिखीं। इस फिल्म को विजय किरागंदूर ने होम्बले फिल्म्स के बैनर तले बनाया।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जो व्यक्ति प्राकृतिक जीवन जीता है, वह अपने आप में ऐश्वर्य पूर्ण जीवन जीता है। यह प्रकृति मानवीय मन को समृद्ध बनाने वाली है। उसी प्रकृति के रूप में कोई भाषा है तो वह प्राकृत भाषा है। प्रकृति सबको स्वीकार करती है। प्राकृतिक सौन्दर्य का आनंद ही कुछ और है, वह अनुभव होता है। वह दिल में प्रसन्नता भर देता है। प्राकृत भाषा में अलग ही चमक रही हुई है। हमारे आगम उसी प्राकृत भाषा में लिखे गए। प्राकृत भाषा बोलने, सुनने में बहुत मधुर है। परमात्मा के समय में वही बोली मातृभाषा के रूप में बोली जाती थी। हमारा कर्तव्य बनता है कि प्राकृत भाषा के प्रति प्रेम होना ही चाहिए।

सामजस्य, समझदारी, समझोतों से बनता सुखद दाम्पत्य जीवन : साध्वी डॉ गवेषणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री डॉ गवेषणाश्रीजी के सान्निध्य में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ ट्रस्ट माधावरम् के तत्वावधान में रविवार को 'दंपती कार्यशाला- दाल भात साथ-साथ' का आयोजन हुआ। साध्वी डॉ गवेषणाश्रीजी ने कहा कि जीवन का हमसफर तो हर कोई ढूंढ लेता है। लेकिन हमसफर के साथ जीवन किस प्रकार जीना हैं, ये बहुत जरूरी है। छोटी-छोटी बातों में जीवन साथी के साथ उलझन से नहीं, सकारात्मक सोच से जीयें। हम अपने मधुर व्यवहार और आद्तों से इस सामाजिक पवित्र रिश्तें में उन्नत ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। बर्तन को छाबड़ी से रखते या निकालते समय आवाज आ सकती है लेकिन पड़े रहने पर शांत रहते है। इसी तरह दाम्पत्य जीवन में भी कुछ समय के लिए बोलचाल हो सकती है, लेकिन बाद में शांत, प्रशांत हो कर दूसरों के लिए प्रेरणास्पद बने। दाम्पत्य जीवन समझदारी, सामजस्य, समझोते, समता, सहिष्णुता के गुणों से भरपूर बने। सोने की तरह पुराना होने पर भी उपयोगी रहता है, टूटने पर भी उसकी वेल्यू में कोई फरक नहीं पड़ता, उसी तरह हम भी स्वयं अपने लिए, परिवार, समाज, राष्ट्रीय के लिए उपयोगी बने। एकदूसरे को समझने की कोशिश करें, छोटी-मोटी गलतियों को लेट गो करना सीखें तथा एक दूसरे के प्रति विश्वास पैदा करें।

साध्वी श्री मयंकप्रभाजी ने कहा कि दम्पती जीवन की राह में एक आग है, तो दूसरा शीतल जल हो जाये। एक अंगारा है, तो दूसरा बर्फ बन जाये तो जीवन गाड़ी का यह पथ व्यवधानों से बच सकता है। यह रिश्ता कांच के शीशे की तरह अति नाजुक है। इसीलिए जीवन मंदिर को सजाने के लिए एकदूसरे के गुणानुवाद और गुणों का अन्वेषण करें। साध्वी दक्षप्रभा ने सुमधुर गितिका प्रस्तुत की।

श्रीमती रश्मि सुराणा ने रेकी विधि से अपने आभामण्डल को पोजिटिव ऐनर्जी से भरने के प्रेक्टिकल प्रयोग करवायें। श्री राकेश खटेड एवं श्री राजेश खटेड ने दम्पतियों को आध्यात्मिक गेम्स खेलायें। धन्यवाद ज्ञापन श्री सुरेश रांका ने दिया। प्रबंधन्यासी घीसूलालजी बोहरा के साथ अनेकों कार्यकर्ताओं ने इस कार्यशाला की सफलता में अपने श्रम का नियोजन किया। अणुव्रत समिति ने आगामी अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के बैनर का अनावरण किया। तेयुप ने नेत्रदान के लिए लोगों को प्रेरित कर फार्म भरवायें।

जॉब फेयर (रोजगार मेला)

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां मुक्ति एम एस ढड्ढा फाउंडेशन एवम श्री गीता भवन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जॉब फेयर (रोजगार मेला) में 405 आवेदन प्राप्त हुए। सर्वप्रथम मुक्ति की चेयर पर्सन मीना ढड्ढा ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। महेंद्र ढड्ढा फाउंडर मुक्ति ने सभी कंपनियों के प्रतिनिधियों को आभार व्यक्त करते हुए बताया कि मुक्ति ने अभी तक 4 लाख से भी ज्यादा अंग वितरण किए हुए है और आज उन सभी दिव्यांगों के लिए आयोजित कार्यशाला में 158 लोग आए जिसमें करीबन 114 लोगों को रोजगारी के लिए नामांकन किया गया। उसमें 48 लोगों को हाथोंहाथ आफर लेटर देकर कंपनी मैं नौकरी भी दी गई । मुक्ति का प्रयास रहा की इनके जीवन को स्वयं सक्षम बनाने हेतु इससे अच्छी व्यवस्था नहीं हो सकती। मीता गुलेछा ने बताया कि सभी को भोजन की भी व्यवस्था की गई। शिवकुमार गोएंका एवम मनु गोयल ने सुबह उद्घाटन समारोह मैं शिरकत की। ज्ञात रहे कि 27 तारीख को 101 लोगों को अंग वितरण किया गया था। गीता भवन इस क्षेत्र मैं सदेव अग्रणीय रहा है और मुक्ति के साथ वार्षिक आयोजन हो ऐसी इच्छा बताई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टाटा कंसलटेंसी के डायरेक्टर सुरेंद्रन रहे, जिन्होंने मुक्ति के ऐसे आयोजन की सराहना की और उनकी कंपनी से सहयोग की बात रखी। कार्यक्रम में लाइफ लाइन हॉस्पिटल, खिवराज ग्रुप, जोमाटो, अमेजन, इक्विटस बैंक, पॉपुलर ग्रुप, गुडरिक, ग्लोबल टैलेंट, एसबीआई लाइफ, जीआरटी होटल, कुन, हुंडई, मार्क मुथूट फाइनेंस, एसेंटर, ब्लू डार्ट जैसी 30 से भी ज्यादा कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अजय नाहर ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरेंद्र ढड्ढा, केसर कुंभट, पन्नालाल चोरडिया, शांति गुलेचा, शताब्दी, शर्मिला हीरावत, किशोर बाफना, विशाल ढड्ढा, सुरेश और मुक्ति टीम का विशेष सहयोग रहा।

प्लाईवुड डीलर्स एसोसिएशन द्वारा क्रिकेट प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। यहां के आरएसपुरम् स्थित नेहरू विद्यालय स्कूल में 29 सितम्बर को कोयंबतूर प्लाईवुड डीलर्स एसोसिएशन द्वारा क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।मुख्य अतिथि रहे कोयंबतूर के उपआयुक्त पुलिस श्रवण कुमार, इस कार्यक्रम में सबका स्वागत एसोसिएशन के अध्यक्ष सीआर कृष्णस्वामी ने किया।

इस अवसर पर सचिव विमल कोचर, स्पोर्ट्स कमेटी के विमल जैन, सुरेश नाहर,जितेंद्र मेहता , रामकुमार, अमन बेद, शुभम मेहता उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में सब लाभार्थियों का एसोसिएशन द्वारा सम्मान किया गया।

इस कार्यक्रम में भगवान महावीर गौशाला और कोयंबतूर जैन डायलिसिस सेंटर को कोयंबतूर प्लाइविड एसोसिएशन द्वारा अच्छी खासी राशि दान में दी गई।

सज्जन पुरुषों में चंदन के समान सुवास होती है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के सान्निध्य में पुच्छिस्सुणं संपुट की उन्नीसवीं गाथा का जाप हुआ। इस गाथा का भावार्थ बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रभु महावीर के गुणों को, उनके स्वरूप को, भीतर में रही हुई शक्ति को सुधर्मा स्वामी ने अनेक गुणों का वर्णन कर दिया। उपमा के माध्यम से हम अब तक परमात्मा के स्वरूप को समझते थे। जैसे बरसने वाले मेघ की आवाज कभी आप सुनो, वैसे ही परमात्मा के शब्दों में आनंद की अनुभूति होती है। उसी तरह आश्वासन देने वाले परमात्मा के वचन हमें आनंद से भर देते हैं।

उन्होंने कहा परमात्मा के शब्द भव्य जनों के श्रवण में पहुंचते हैं। सूखी- बंजर मिट्टी होती है, वहां कुछ नहीं उग सकता। पानी के आते ही वह उपजाऊ हो जाती है। परमात्मा के वचनों से विनय रुपी बीज से ऐसी शाखा, वृक्ष प्रस्फुटित होता है, वैसे ही परमात्मा के शब्दों को मेघ की गर्जना के रूप में देखते हैं। हमारा आचरण, व्यवहार, चरित्र, स्वभाव करणी में स्थित होने से उस फूल को मोक्ष का फल लगता है। मोक्ष जाने के लिए संवर महत्वपूर्ण होता है। करणी रुपी फल ही मोक्ष है। मोक्ष का सुख अनंत है। परमात्मा की वाणी जिसका विशेषण में मेघ गर्जना के समान है। ये विशेषण पृथ्वी पर रहे हुए जीवन को विशेष तथ्यों के विशेषण से लिया है।

उन्होंने कहा जैसे तारों में चंद्र महाप्रतापी है। चंद्र के प्रकाश में अनेक प्रकार के औषधीय गुण वनस्पतियों में भर देता है। हमारे भीतर में रहे हुए दोषों से बचने का माध्यम है। वह परमात्मा के वचन सुनने से प्राप्त होता है। सुगंध में चन्दन श्रेष्ठ है। इसकी एक विशेषता है कि वह किसी भी रूप में सुगंध ही देता है। चाहे उसे घिस लो, काट लो या जला लो या ऐसे ही रख दो, वह सुगंध ही देता है। सांप के लपेटने से भी चन्दन अपनी सुगंध नहीं छोड़ता है। यह चन्दन का लक्षण है। जो सज्जन पुरुष होते हैं, वे चन्दन की तरह होते हैं। प्रभु महावीर को दंश करने वाले चंडकौशिक को भी उन्होंने सन्मार्ग दिया। परमात्मा इन परिस्थितियों में, चाहे गृहस्थ, छद्मस्थ या वीतराग में रहे, उनके अन्तर की खुशबू कहीं गई नहीं। हमारे भीतर में जिस समय परमात्मा के प्रति भक्ति होती है, तो कहीं भी कितनी भी नकारात्मक शक्ति आ जाए, वो हमें सुवासित होकर जाती है, क्योंकि हमारे भीतर परमात्मा का वास है। यह परमात्मा की सुवास की ताकत है कि आसपास की दुर्गंध भी दूर हो जाए। परमात्मा की सुवास से विरोधी तत्व भी शांत हो जाता है। जैसे चंद्र सौम्य होता है, परमात्मा की भक्ति से हमारे भीतर की सौम्यता प्रकट होती है। वह किसी भी परिस्थिति में मजबूत रहने की प्रेरणा देती है। परमात्मा के नाम में शक्ति है। परमात्मा की भक्ति आश्वस्त करने वाली है। परमात्मा की भक्ति सद्गुण, शक्ति को प्रकट करने वाली है। इस दौरान बेंगलुरु से 175 जनो का संघ प्रकाश बुरड़ के नेतृत्व में एवं कुम्भकोणम से संघ, अमरावती से संघ युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए। 5 अक्टूबर को युवाचार्य श्री जी का जन्मदिन मनाया जायेगा।

भावयात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबटूर के आरएसपुरम स्तिथ राजस्थानी निवास में 29 सितम्बर को श्री शंखेश्वर जैन मंदिर में चार्तुर्मास विराजित पन्यास प्रवर अपर्ण प्रभ विजयज्ञी आदि और साध्वीश्री विरती प्रभा श्रीजी के सन्निध्य में सिद्धाचल महातीर्थ की भाव यात्रा का आयोजन किया गया। पन्यास प्रवर ने एलईडी बिग स्क्रीन और लाइव संगीत के साथ पूरे शत्रुंजय महा तीर्थ की यात्रा करवाई और पूरे पालीतना का निर्माण इतिहास और विशेषता पर प्रवचन द्वारा प्रकाश डाला।

गुरु दर्शन यात्रा का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री श्रेयांश स्थानकवासी वर्षीतप पारणा समिति के तत्वावधान में 32 वर्षीतप तपस्वी एवं अन्य 15 श्रावक औरंगाबाद में चातुर्मासार्थ विराजित उपाध्याय प्रवीणऋषि जी म.सा.के दर्शनार्थ औरंगाबाद एवं बदनापुर में चातुर्मासार्थ विराजित महासती प्रतिभा कंवरजी म.सा. के दर्शनार्थ यात्रा संघ का आयोजन हुआ। संघ ने जालना स्थित गुरु गणेश स्मारक के दर्शन भी किये। इस हवाई यात्रा में आदिनाथ जैन ट्रस्ट के मनोज जैन का सहयोग रहा। उन्होंने वहां सायं भक्ति का नेतृत्व किया। उपाध्यायश्री ने आशीर्वाद बरसाते हुए सभी तपस्यार्थियों की मंगल कामना की। इस दौरान उपाध्याय प्रवर के 2027 चेन्नई वर्षावास की विनती की गई। उपाध्यायश्री ने वर्षावास का आश्वासन दिया। इस यात्रा के मुख्य लाभार्थी जवरीलाल बरमेचा, रमेश गूगलिया, सुनील विनायकिया, महेंद्र ललवानी एवं अशोक बोहरा थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

भावना से भरा हुआ दान ही फलदायी : साध्वी राजमती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के जैन भवन में साध्वी श्री राजमतिजी म. सा. ने कहा कि मनुष्य को भगवान का कृतज्ञ होना चाहिए कि उसे आर्य देश, उत्तम कुल, स्वस्थ शरीर, लम्बी आयु और सच्चे गुरु मिले हैं। उसका उन्हें सदुपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विवेकशील व्यक्ति अपना और अपने सम्पर्क में आने वाले लोगों का जीवन को तार देता है। परोपकारी व्यक्ति दूसरों के लिए ही जीता है और वो वीतराग की वाणी पर अनन्त अनन्त आस्था रखता है। विदुषी साध्वी जी ने कहा कि परमात्मा किसी के भी प्रति बुरा नहीं सोचता है। उन्होंने मनुष्य की तुलना दो तरह के कांटे से करते हुए कहा कि एक कांटा सीधा होता है जो कि ज्यादा घाव नही करता हैं लेकिन दूसरा कांटा अत्यंत ही कठोर होता है और वो ज्यादा घाव करता हैं। उन्होंने ज्यादा घाव करने वाले कांटे जैसा बनने से बचना चाहिए और मनुष्य को वृक्ष के समान आचरण रखने की जरूरत बताते हुए कहा कि मनुष्य को वृक्ष की तरह हर ऋतु में उपयोगी जैसे होना चाहिए। दान को मनुष्य जीवन का अत्यंत ही महत्वपूर्ण भाग बताते हुए साध्वी जी ने कहा कि मनुष्य का दान तभी ही फलदायी होता है जब वो भावना से दिया गया हो। कार्यक्रम का संचालन संघ के पूर्व महासचिव हस्ती खटोड ने किया।

आरवाईए ने आयोजित की फिटनेस कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थान यूथ एसोसिएशन (आरवाइए) ने संस्था के सदस्यों के लिए 9 दिवसीय फिटनेस कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियन सुमीत संघवी थे। कार्यक्रम में सदस्यों को विभिन्न फिटनेस विशेषज्ञों ने प्रशिक्षित किया। हर रोज सुबह सदस्य सुबह 5 बजे से आयोजित विभिन्न फिटनेस सत्रों में उपस्थित हुए। खेलकूद प्रभारी कमल श्रीश्रीमाल व कविता बोथरा ने सुनियोजित ढंग से कार्यक्रम को आयोजित किया। इस मौके पर आरवाइए के अध्यक्ष जैन एस सुधीर व सचिव भरत एस.चोरड़िया ने कहा कि हमारा शरीर गतिशील रहने के लिए बना है और जब हम अधिक फिट होते हैं तो हमारा शरीर बेहतर ढंग से कार्य करता है। जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, आप मांसपेशियों को खो देते हैं, जिसका जीवन की गुणवत्ता पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। शक्ति व्यायाम हड्डियों और मांसपेशियों का निर्माण करते हैं।

इस उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। खेलकूद प्रभारी कमल श्रीश्रीमाल व कविता बोथरा ने सुनियोजित ढंग से कार्यक्रम को आयोजित किया। कार्यक्रम के समापन समारोह पर समूह खेल खेले गए और सदस्यों का विभिन्न पैमानों से शक्ति परीक्षण किया गया। मुख्य अतिथि ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सदस्यों को पुरस्कार प्रदान किए।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.